www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@yahoo.co.in

देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 345 । भोपाल, शुक्रवार, 15 दिसम्बर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

भाजपा नेता की हथेली काटने वालों के घरों पर चला बुलडोजर पृष्ठ 3

- यूजीसी और एनसीईआरटी का हिन्दू राष्ट्र शैक्षणिक कार्यक्रम
- कॉप 28 ने भले ही टकराव को टाल दिया, पर संघर्ष के बिंदु अनसुलझे रहे पृष्ठ 4

- महिला आरक्षक को वीरता प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित पृष्ठ 6

योजनाओं का लाभ वंचित और पात्र व्यक्तियों तक यात्रा के लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें पृष्ठ 8

सार-समाचार

आसियान-भारत श्री अन्न महोत्सव की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा ने गुरुवार को आसियान-भारत श्री अन्न महोत्सव का राष्ट्रीय राजधानी में शुभारंभ करते हुए कहा कि देश में मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर ही है। इसी कड़ी में यहां वसंत कुंज इलाके में दो दिवसीय मिलेट मेले का आयोजन किया गया है। आसियान में भारतीय मिशन द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय इस महोत्सव में भारत सहित आसियान देशों के नीति-निर्माता, उद्यमी, विशेषज्ञ स्टार्टअप एवं अधिकारी भाग ले रहे हैं।

नीतीश की रैली को नहीं मिली वाराणसी में जगह

पटना, देशबन्धु। 24 दिसम्बर को जेडीयू की रैली वाराणसी में होने वाली थी लेकिन अब यह रैली 24 दिसम्बर को नहीं होगी। नीतीश की रैली को जगह नहीं मिलने के कारण स्थगित कर दिया गया है। अब अगली तारीख में इस रैली की घोषणा की जाएगी। बिहार के मंत्री श्रवण कुमार ने इस बात की जानकारी दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गढ़ वाराणसी में रैली करने वाले थे।

24 दिसम्बर को रैली प्रस्तावित थी। इस रैली को सीधे तौर पर लोकसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा था। इसे लेकर भाजपा लगातार हमलावर थी। बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी सहित कई बीजेपी नेता नीतीश की वाराणसी में प्रस्तावित रैली को लेकर हमलावर नजर आए। वही भाजपा सांसद रवि किशन ने जेडीयू की इस रैली को लेकर तंज भी कसा था। रविकिशन ने कहा कि था कि महादेव की नगरी है, आएं. हमने सुना है कि जहां कण-कण में शिव हैं वहां नीतीश कुमार आ रहे हैं। नीतीश कुमार को मैं क्षमा के साथ कहना चाहता हूं क्योंकि बहुत बड़े लीडर हैं वो, आव फरिया ल। नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए भाजपा सांसद रविकिशन ने फिर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों के नेता हैं, कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री बनाने वाले नेता हैं, इस देश को पांच ट्रिलियन डॉलर पर ले जाने वाले नेता हैं, उनसे आप लड़ने आ रहे हैं।

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा के पास मुठभेड़ में 2 नक्सली ढेर

गढ़चिरौली, एजेंसी। महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा के पास जंगलों में पुलिस के साथ मुठभेड़ में कम से कम दो नक्सली मारे गए। यह घटना एक गुप्त सूचना के बाद हुई कि नक्सलियों की एक बड़ी टुकड़ी छत्तीसगढ़ में गोडलवाही चौकी से लगभग 10 किमी दूर बोधिनटोला के पास डेरा डाले हुए थी। नक्सली सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला करने और तोड़फोड़ की गतिविधियों को अंजाम देने और स्थानीय आदिवासियों को पुलिस मुखबिर बताकर मारने की योजना बना रहे थे।

तेलंगाना विस के अध्यक्ष बनें प्रसाद कुमार

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गद्दाम प्रसाद कुमार को गुरुवार को सर्वसम्मति से तीसरी तेलंगाना विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया। गद्दाम सभी विधायकों के समर्थन से तेलंगाना विधानसभा के लिए चुने गए पहले दलित स्पीकर हैं। प्रोटेम स्पीकर अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा कि बुधवार को कोई अन्य नामांकन दाखिल नहीं होने के कारण उन्हें निर्विरोध चुना गया। उन्होंने आज सदन में घोषणा की कि उनकी उम्मीदवारी का प्रस्ताव मुख्य विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सहित 23 सदस्यों ने किया था। नए अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा करने से पहले, प्रोटेम स्पीकर ने उन सदस्यों को शपथ दिलाई, जो नौ दिसम्बर के समारोह में शामिल नहीं हो सके।

असम सरकार ने 1281 मदरसों को सामान्य स्कूलों में बदला

गुवाहाटी, एजेंसी। असम सरकार ने राज्य के 31 जिलों में कम से कम 1281 मदरसों का नाम बदल दिया है और उन्हें सामान्य स्कूलों में बदल दिया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। राज्य के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने अपने एक्स हैंडल पर जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम (एसईबीए) के तहत सभी सरकारी और प्रांतीय मदरसों को सामान्य स्कूलों में परिवर्तित करने के परिणामस्वरूप स्कूल शिक्षा विभाग, असम ने आज एक अधिसूचना द्वारा 1281 एमई मदरसों के नाम बदलकर मिडिल इंग्लिश (एमई) स्कूल कर दिया है।

संसद की सुरक्षा को लेकर सदन में हंगामा

14 सांसद पूरे सत्र के लिए निलंबित

हंगामे के कारण कई बार स्थगित करनी पड़ी कार्यवाही

नई दिल्ली, देशबन्धु। लोकसभा की सुरक्षा में चूक के मामले पर विपक्षी सांसदों का सदन के अंदर और बाहर हंगामा गुरुवार को भी जारी रहा। विपक्षी दलों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही को पहले 2 बजे, फिर 3 बजे तक और फिर दिन भर के लिए स्थगित करना पड़ा। बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद लोकसभा में हंगामा जारी रहने पर पहले पांच सांसदों और फिर नौ सांसदों यानी कुल मिलाकर 14 सांसदों को पूरे सत्र के लिए सदन से सस्पेंड कर दिया गया।

दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर भी जब विपक्षी सांसदों का हंगामा जारी रहा तो केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने हंगामा कर रहे पांच सांसदों को सदन से सस्पेंड करने का प्रस्ताव सदन के अंदर रखा, जिसे सदन द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद हिबी ईडन, एस. ज्योतिमणि, टी एन प्रथापन, राम्या हरिदास और डीन कुरियाकोस को संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र की बची हुई अवधि के लिए सस्पेंड कर दिया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही को 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। दोपहर 3 बजे जब फिर से लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो उस समय भी विपक्षी सांसदों का हंगामा जारी रहने पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने हंगामा कर रहे नौ सांसदों का नाम लेकर उन्हें सदन से सस्पेंड करने का प्रस्ताव सदन के अंदर रखा, जिसे सदन द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद वीके श्रीकंदन, बेहनन बैन्नी, मोहम्मद जावेद, माणिक्कम टैगोर, कनिमोझी, एसआर पार्थिबन, पीआर नटराजन, एस वेंकटेशन और के. सुब्बारायण को संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र की बची हुई अवधि के लिए सस्पेंड कर दिया गया।

इस तरह की घटनाएं पहले भी हुई

इसके बाद सदन की कार्यवाही को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा की अगली बैठक अब शुक्रवार,15 दिसंबर को सुबह 11 बजे होगी। इससे पहले दोपहर दो बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों के हंगामे के बीच सरकार की तरफ से केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने तारीख के साथ कई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं लोकसभा में पहले भी हुई है और बुधवार की घटना के बाद स्पीकर द्वारा बुलाई गई बैठक में आए सुझावों के आधार पर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम पहले ही उठा लिए गए हैं और आज भी स्पीकर ने इसकी समीक्षा की है। जोशी ने लोकसभा स्पीकर को पार्लियामेंट का कस्टोडियन बताते हुए आगे कहा कि इस पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए, हम सबको दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस पर काम करना है। अतीत से सबक लेते हुए भविष्य के लिए काम करना है।

पार्थिबन का निलंबन हुआ रद्द

गलत आचरण और सदन की कार्यवाही में बाधा पहुचाने के आरोप में गुरुवार को लोकसभा के 14 और राज्य के एक सांसद को पूरे शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। लेकिन चौकाने वाली बात यह रही डीएमके के एक सांसद एसआर पार्थिबन इस दौरान लोकसभा में मौजूद ही नहीं थे,लेकिन उन्हें भी पहले निलंबित किया गया। बाद में जब इस पर आपत्ति दर्ज कराई गई तो उनका निलंबन वापस हो गया। यह संसदीय इतिहास की शायद पहली घटना थी कि जिस सांसद को आसन की अवमानना व संसद की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में निलंबित किया गया वह घटना के समय सदन में मौजूद ही नहीं था। इसे लेकर बसपा से निलंबित सांसद दानिश अली ने सवाल उठाया। उन्होंने कहाकि जिन सांसदों को निलंबित किया गया है,उसमें से एक पार्थिबन सदन में थे ही नही। संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी को यह पता ही नहीं है कि सांसद सदन में आया भी है या नहीं। उन्होंने कहाकि भगवान ही जानता है कि यह देश कैसे चल रहा है।

हंगामा के समय सदन में नहीं थे मौजूद

प्रधानमंत्री-गृहमंत्री की चुप्पी की आलोचना

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने गुरुवार को संसद की सुरक्षा उल्लंघन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी के लिए उनकी आलोचना की है। उनका कहना है कि उन्हें कम से कम उन सांसदों और सुरक्षाकर्मियों की सराहना करनी चाहिए थी, जिन्होंने उपद्रवियों को पकड़ा था।

सांसदों का निलंबन तानाशाही

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद में सुरक्षा को लेकर सवाल पूछने पर पार्टी सांसदों के निलंबन को अलोकतांत्रिक करार देते हुए कहा कि सुरक्षा में चूक का मामला गंभीर है और इस मुद्दे को संसद में उठाने के कारण सांसदों का निलम्बन तानाशाही रवैया है। श्री खड़गे ने कहा राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारे लोकतंत्र के मंदिर यानी संसद की सुरक्षा को खतरे में डालने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब इस मुद्दे को लेकर बात करने वालों को ही सजा दे रही है।

राजभवन में राज्यपाल ने दिलाई शपथ

भार्गव विधानसभा के सामयिक अध्यक्ष बने

भोपाल, देशबन्धु। वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव को विधानसभा का सामयिक अध्यक्ष बनाया है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने गुरुवार को राजभवन में आयोजित समारोह में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। श्री भार्गव सागर के रहली विधानसभा क्षेत्र से लगातार नौवीं बार निर्वाचित हुए हैं। उनकी वरिष्ठता को देखते हुए उन्हें सामयिक अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने आज विधानसभा पहुंचकर अपना कार्यभार भी संभाला। वे विधानसभा के लिए निर्वाचित सभी सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल भी मौजूद थे।

शपथ समारोह का संचालन प्रमुख सचिव विधानसभा अवधेश प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर विधायक, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डी. पी. आहूजा, विधानसभा के अधिकारी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विधानसभा का सत्र 18 से

भोपाल, देशबन्धु। 16वीं विधानसभा का पहला सत्र 18 दिसंबर से प्रारंभ होगा। यह सत्र 21 दिसम्बर तक चलेगा। मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव द्वारा सत्र आहूत करने के लिए भेजे प्रस्ताव को राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अनुमति दे दी है।

विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि इस सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी और राज्यपाल का अभिभाषण होगा। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव भी होगा। अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन पर चर्चा होगी। सरकार वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए द्वितीय अनुपूरक अनुमान भी प्रस्तुत कर सकती है। उल्लेखनीय है कि 16वीं विधानसभा में भाजपा 163, कांग्रेस 66 और भारत आदिवासी पार्टी का 1 निर्वाचित होगा आया है।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए निर्देश

अधिकारी संकल्प पत्र के क्रियान्वयन में जुट जाएं

- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लोगों की जिन्दगी बदलना ही सरकार का लक्ष्य
- सुशासन केवल शब्द न रहे, हमें इसे चरितार्थ करके दिखाना है

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को साकार कर जनता की जिन्दगी बदलना ही हमारी सरकार का लक्ष्य है, इस लक्ष्य को संकल्प पत्र के अनुरूप धरातल पर उतारना है। इसके लिए सभी विभाग संकल्प पत्र के सभी वादों, संकल्पों और घोषणाओं की पूर्ति का काम अभियान के रूप में शुरू कर समय-सीमा में लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने आज पार्टी के संकल्प पत्र के क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों यह निर्देश दिए।

उन्होंने संभागायुक्त और कलेक्टरों के साथ वीडीए कांफ्रेंस के जरिए की बैठक में कहा कि इस संकल्प पत्र में प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रदेशवासियों को दी गई गारंटियां शामिल हैं, सभी विभाग प्रमुख इनके क्रियान्वयन को गंभीरता से लेते हुए रोडमैप तैयार कर समय-सीमा में लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करें। डॉ. यादव ने कहा कि संकल्प पत्र में दिए गए बिन्दुओं के क्रियान्वयन और लक्ष्य की समय-सीमा में पूर्ति की जाए। डॉ. यादव ने कहा कि सभी गतिविधियों का क्रियान्वयन पूर्ण पारदर्शिता, शुचिता और भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण में किया जाए। उन्होंने कहा कि सुशासन केवल शब्द न रहे, हमें इसे चरितार्थ करके दिखाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन संकल्पों का संबंध एक से अधिक विभागों से है, उनके संबंध में दोनों विभाग आपसी तालमेल से काम करें। जिन संकल्पों के क्रियान्वयन के संबंध में किसी प्रकार का वित्तीय भार न हो अथवा वित्तीय संसाधन पूर्व से उपलब्ध हों या किसी प्रकार का नया नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता न हो, ऐसे प्रकरणों में सक्षम अनुमोदन लेकर तत्काल आदेश जारी किए जाएं। जिन संकल्पों के क्रियान्वयन में अलग से बजट प्रावधान की आवश्यकता हो, उस संबंध में तत्काल वित्त विभाग से चर्चा कर आवश्यक बजट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा कठिनाई आने पर मुख्य सचिव से तत्काल समन्वय सुनिश्चित करें। जिन संकल्पों के क्रियान्वयन में नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता हो या विद्यमान प्रक्रिया में कोई संशोधन किया जाना हो, ऐसे प्रकरणों को शीघ्र-अतिशीघ्र मंत्री परिषद के समक्ष स्वीकृति के लिए लाया जाए। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा सहित समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, विभागाध्यक्ष और विभिन्न निगम मंडलों के महाप्रबंधक उपस्थित थे।

मुख्य सचिव की निगरानी में होगा क्रियान्वयन

डॉ. यादव ने कहा कि संकल्प पत्र की घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की नियमित निगरानी मुख्य सचिव स्तर पर की जाएगी। इसके लिए अलग से पोर्टल भी बनाया जाए और जानकारी के ऑनलाइन फीडिंग, मॉनीटरिंग व रिपोर्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

संकल्प पत्र के 10 प्रमुख भाग हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि संकल्प पत्र के 10 प्रमुख भाग हैं। जिनमें सशक्त नारी, समृद्ध किसान, जनजातीय कल्याण, उत्तम शिक्षा एवं सक्षम युवा, सबका साथ-सबका विकास, सुदृढ़ आधारभूत संरचना, स्वस्थ प्रदेश, प्रगतिशील अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास, सुशासन एवं कानून व्यवस्था तथा सांस्कृतिक धरोहर एवं विकसित पर्यटन शामिल हैं। यह संकल्प पत्र ही सरकार का अगले 5 साल का विजन डाक्यूमेंट है। सभी विभाग, उनसे संबंधित विषयों के क्रियान्वयन में तत्काल कार्रवाई आरंभ करें।

भजनलाल शर्मा आज लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

- मनोनीत मुख्यमंत्री का जन्मदिन भी है आज
- पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए

जयपुर, एजेंसी। भाजपा के मनोनीत मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा 15 दिसंबर को अपने जन्मदिन पर शपथ लेंगे और वह जयपुर विधानसभा सीट से पहले मुख्यमंत्री भी होंगे। अधिकारियों ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों के चलते एक दिन के लिए अल्बर्ट हॉल में पर्यटकों का प्रवेश बंद रहेगा। वहीं, पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। राजस्थान के मनोनीत मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और दो उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा 15 दिसंबर को शपथ लेंगे। अल्बर्ट हॉल (राम निवास बाग) के बाहर इस समारोह को भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। समारोह के लिए बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा को निमंत्रण भेजा गया है। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी के वादों की झलक भी दिखेगी। कार्यक्रम स्थल पर विशेष काउंटर बनाए गए हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं को उजागर करने वाले भाजपा के झंडे, होर्डिंग, पोस्टर और बैनर लगाए जाएंगे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

मथुरा शाही ईदगाह विवादित स्थल का होगा सर्वे

प्रयाग, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर स्थित शाही ईदगाह मस्जिद के विवादित स्थल पर सर्वे की मंजूरी दी है। साथ ही कोर्ट ने चल रहे विवाद पर कमिश्नर नियुक्त करने को कहा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस की पोषणीयता तथा कोर्ट कमिश्नर भेजे जाने संबंधी अर्जी पर अपना फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति मयंक जैन की पीठ ने हिंदू पक्ष की याचिका पर सर्वे को मंजूरी दे दी है। पीठ कुल 18 सिविल वादों की सुनवाई कर रही है। दरअसल, 16 नवंबर को इस अर्जी पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा गया था। इस दिन विवादित परिसर की 18 याचिकाओं में से 17 पर सुनवाई हुई। ये सभी याचिकाएं मथुरा जिला अदालत से इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए शिफ्ट हुई थी।

पक्षकार ने मंदिर का पौराणिक पक्ष रखते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के पौत्र ने मथुरा मंदिर का निर्माण कराया था। मंदिर के लिए जमीन दान में मिली। इसलिए जमीन के स्वामित्व का कोई विवाद नहीं है। मंदिर तोड़कर शाही मस्जिद बनाने का विवाद है। राजस्व अभिलेखों में जमीन अभी भी कटरा केशव देव के नाम दर्ज है। कोर्ट का फैसला आने के बाद श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने कहा कि कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला दिया है। यह श्रीकृष्ण जन्मभूमि को मुक्त कराने के लिए चल रहे आंदोलन में मील का पत्थर साबित होगा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति संघर्ष न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कोर्ट कमिश्नर के सर्वे से दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

शाही ईदगाह मस्जिद के अधिवक्ता ने आपत्ति दर्ज कराई थी

शाही ईदगाह मस्जिद और यूपी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अधिवक्ता ने कोर्ट में आपत्ति दर्ज कराई थी। मुस्लिम पक्षकारों का कहना था कि यह याचिका सुनवाई योग्य नहीं है, इसको खारिज किया जाए। जिसे कोर्ट ने नहीं माना। दरअसल, 'भगवान श्री कृष्ण विराजमान' और 7 अन्य लोगों ने वकील हरि शंकर जैन, विष्णु शंकर जैन, प्रभाष पांडे और देवकी नंदन के माध्यम से इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सर्वे की मांग की थी। याचिका में दावा किया गया था कि भगवान श्री कृष्ण का जन्मस्थान मस्जिद के नीचे है और वहां कई संकेत हैं जो स्थापित करते हैं कि मस्जिद एक हिंदू मंदिर था।

5 राज्यों में विजयी उम्मीदवारों का एडीआर ने किया विश्लेषण

678 विजयी उम्मीदवारों में से 594 करोड़पति

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के पांच राज्यों में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में 678 विजयी उम्मीदवारों का विश्लेषण किया गया। जिनमें से 594 करोड़पति हैं और इसमें 298 विधायक भाजपा के हैं।

नेशनल इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में सभी 678 विजयी उम्मीदवारों के स्व-शपथ पत्रों का विश्लेषण किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि 230 सदस्यीय मध्य प्रदेश विधानसभा में 205 करोड़पति हैं, जबकि राजस्थान में 199 विजयी उम्मीदवारों में से 169 करोड़पति हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना के 119 विजयी उम्मीदवारों में से 114 और छत्तीसगढ़ के 90 विजेता उम्मीदवारों में से 72 करोड़पति हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मिजोरम में 40 विजयी विधायकों में से 34 करोड़पति हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, भाजपा के 342 जीते हुए विधायकों में से 298 करोड़पति हैं, जबकि कांग्रेस के 235 जीते हुए विधायकों में से 209 करोड़पति हैं, जबकि बीआरएस के 39 जीते हुए विधायकों में से 38 करोड़पति हैं और जेडपीएम के 27 में से 22 विधायक करोड़पति हैं।

सार समाचार

मैरिज गार्डन के बाहर खड़ी मोटरसाईकिल चोरी

गुना, देशबन्धु। आरोन थानांतर्गत राघौगढ़ रोड स्थित एक गार्डन में शादी करने गए व्यक्ति की मोटर सायकिल अज्ञात चोर चोरी करके ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी सतेन्द्र रघुवंशी पुत्र सुरेन्द्र रघुवंशी निवासी ग्राम बरोद ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि गत रात वह अपनी मोटरसाइकिल एमपी 09 व्हीएस 8381 जो मेरे भाई बृजेन्द्र सिंह के नाम से है, को लेकर सूरज किरण मैरिज गार्डन के बाहर राघौगढ़ रोड़ पर खड़ी करके गार्डन के अंदर शादी में चला गया था। रात 3 बजे जब वह गार्डन के बाहर आया तो बाईक गायब मिली। जिसे आसपास काफी तलाश किया, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी करके ले गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चोर पर मामला दर्ज किया है।

न्यायालय में डाक देने आए आरक्षक के साथ वकील ने की मारपीट

गुना, देशबन्धु। राघौगढ़ थानांतर्गत न्यायालय परिसर में समंस वारंट लेकर पहुंचे आरक्षक के साथ एक वकील साहब ने मारपीट कर दी। इस दौरान आरोपी वकील ने आरक्षक को दलाल बोलते हुए जमकर गाली गलौंच कर मारपीट की। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी वकील पर मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी आरक्षक अंकित यादव चौकी रूठियाई थाना धरनावदा ने पदस्थ है। गत दिवस वह कोर्ट राघौगढ़ में शासकीय कार्य से समंस वारण्ट देने एवं चालान पेश करने हेतु रवाना हुआ था। न्यायालय परिसर में पहुंचने के पश्चात उसके द्वारा एडीपीओ सुमनलता वर्मा को दो चालान स्कूटनी हेतु पेश किए। तत्पश्चात आरक्षक अन्य कोर्ट कार्य में व्यस्त हो गया। दोपहर करीब 12.30 बजे एडवोकेट रूद्रेश मीना द्वारा मुझसे फोन पर पूछा गया कि उसके पक्षकार धर्मेन्द्र का चालान पेश करने को कहा तब उसने बोला कि मैं देखता हूँ कि मेरे पास चालान है कि नहीं। उसके बाद रूद्रेश मीना द्वारा दलाल बोलते हुए गाली गलौंच शुरू कर दी। जिसकी शिकायत उसने बार एसोसिएशन के अजय भार्गव से की तो आरोपी रूद्रेश मीना ने आरक्षक को कोर्ट के नीचे मारपीट कर दी। इस दौरान उसके पास रखे तीन समंस भी फाड़ दिए। फिलहाल पुलिस ने आरोपी वकील पर धारा 353, 294, 186, 332 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

शराबियों ने स्कूल में मचाया उपद्रव, शिक्षिका से की अभद्रता

शिक्षिका और बच्चों ने स्कूल में बंद करके खुद को बचाया, पुलिस देखकर भागे बदमाश

गुना, देशबन्धु। आरोन थानांतर्गत ग्राम चक बरखेड़ा में स्कूल में पढ़ा रही महिला शिक्षिका के साथ शराब के नशे में गांव के ही दो बदमाशों ने जमकर गाली गलौंच कर स्कूल में उपद्रव मचाया। इस दौरान महिला शिक्षिकों ने खुद एवं बच्चों को स्कूल की कक्षा में बंद करके अपने आप को बचाया। इस दौरान काफी देर तक उपद्रवी स्कूल के गेट एवं खिडकी में तोडफ़ोड़ करते रहे। अंदर में कक्षा में डरे-सहमे बच्चे एवं शिक्षिका ने डायल-100 के अलावा स्कूल के अध्यापक एवं शिक्षा विभाग के आल अधिकारियों को सूचना दी। लगभग आधे से पौन घंटे बाद मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर बदमाश खेतों में भाग खड़े हुए। मामले में पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा डालने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादिया किरण श्रीवास्तव पत्नी विनोद श्रीवास्तव (55) निवासी तेलघानी चौराहे के पास सुभाष कांलोनी गुना ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह प्राथमिक शिक्षक के पद पदस्थ होकर शासकीय प्राथमिक विध्यालय चक्क बरखेड़ा मे कार्यरत हूँ। गत दिवस दोपहर को वह स्कूल मे पढ़ा रही थी।

इस दौरान उनके साथी शिक्षक बलवंत धाकड़ अवकाश पर थे। ऐसे में शिक्षिका अकेली बच्चों को अध्ययन करा रही थी। कक्षा 1 से 5 बी तक के बच्चे उपस्थित थे। इस दौरान बरखेड़ा के रहने वाले परशुराम बंजारा और शिशुपाल यादव आए बोले कि मैडम तुमको पढना नहीं आता, क्या पढ़ा रही हो। तुमको कुछ आता जाता नहीं है। जब शिक्षका ने उन्हें समझाकर कहा तुम ड्रिंक किये हो यहाँ से चले जाओ, तो बदमाशों ने स्कूल में जमकर हंगामा करना शुरू कर दिया। डर के मारे शिक्षिका एवं बच्चों ने आपने आपको स्कूल के अंदर गेट में बंद कर लिया। लेकिन आरोपीगण गेटों में धक्का देने लगे और खिड़कियों में से गाली गलौंच करने लगे। शिक्षका ने तत्काल पुलिस और, सीएचसी सहित अन्य शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर दोनों बदमाश खेतों में दौड़ लगाकर भाग गए। इस मामले में पुलिस ने शायकीय कार्य में बाधा डालने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

फर्जी आईडी बनाकर अश्लील फोटो डालने वाले युवक पर मामला दर्ज

गुना, देशबन्धु। मधुसूदनगढ़ पुलिस द्वारा इंस्टाग्राम पर अश्लील फोटो डालकर लोगों को बदनाम करने के मामले में पड़ोसी जिले अशोकनगर के एक युवक पर मामला दर्ज किया है। युवक द्वारा फर्जी तरीके से लडक़ी के नाम से दो-तीन आईडी बनाकर फरियादी तथा एक अन्य युवती के फोटो डाले गए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी राजा पुत्र गोविन्दसिहं जादौन निवासी नलखेड़ा तहसील मधूसूदनगढ़ ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि फर्जी इंस्टाग्राम आइडी चलाने वाले संदेही सोनू पुत्र नेत्रराम शर्मा निवासी अशोकनगर द्वारा इंस्टाग्राम पर उसके अश्लील फोटो डालकर उसे बदनाम किया जा रहा है। आरोपी द्वारा सोशल मीडिया पर उसके फोटो एवं पड़ोस में रहने वाली उसकी मुंहबोली बहन के फोटो इंस्टाग्राम पर अपलोड किये जा रहे हैं। जिससे उसकी एवं बहन की भावनाए आहत हुई है। उनकी छवि को धूमिल करने के लिए फोटो वायरल किए जा रहे हैं। पहली बार फोटो वायरल शिवानी तिवारी के नाम से आइडी से किए थे। जिसकी जानकारी उसे उसके दोस्तो द्वारा दी गई थी। लगभग तीन फर्जी युवतियों की आईडी से आरोपी द्वारा उसके अश्लील फोटो जोडक़र इस्टाग्राम पर बार-बार वायरल किए जा रहे हैं। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी पर धारा 66 सी, 67, 67 ए के तहत मामला दर्ज किया है।

पिता ने जुआ खेलने से रोका तो कलयुगी बेटे ने कर दी पिटाई

गुना, देशबन्धु। शहर के कैंट थानांतर्गत पिपरौदा खुर्द निवासी एक व्यक्ति को अपने बेटे को जुआ खेलने से रोकना भारी पड़ा। कलयुगी बेटे ने अपने पिता के साथ मारपीट कर दी। जिसमें वह लहूलुहान हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी चंपालाल पिता जवाहर लाल अहिरवार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह ढावा पर काम करता है। बुधवार रात 11 बजे जब वह ढावा से अपने घर पहुंचा तो मोहल्ले के लोगों ने बताया कि तेरा लडका राहुल जुआ मे रुपये हार गया है। जिस पर उसने अपने लडक़े राहुल से कहा कि तू जुआ खेलता है, तो इसी बात पर से राहुल ने अपने पिता के साथ गाली गलौंच कर डंडे से मारपीट कर दी। जिसमें उन्हें खून निकल आया। इस दौरान किसी तरह आरोपी की मां मानबाई व छोटे भाई सौरभ ने पिता का बीच बचाव किया। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी बेटे पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

चाचा के साथ भतीजे ने की मारपीट

इधर जिले के आरोन थानांतर्गत पनवाड़ीहाट में खेत में बोवनी कर रहे चाचा के साथ भतीजे ने मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अमृत अहिरवार ने अपने नाती रंजीत के साथ चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने तला वाले खेत को बो रहा था। तभी वहां पर उनका भतीजा तोरन आ गया और गाली गलौंच कर मारपीट करने लगा। जिसमें उनके हाथ-पैरों में चोटें आई हैं। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी पर धारा 323, 294 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

कपड़ा व्यवसाई ने लगाई फांसी

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली अंतर्गत एक युवा रेडीमेड कपड़ा व्यापारी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई। गत रात को उसके बड़े भाई ने उसे मूंमफली खाने के लिए बुलाया तो वह फांसी के फंदे पर लटका मिला। युवक की शादी डेढ़ वर्ष पूर्व ही हुई थी। युवक को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल लया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुरुवार सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया गया है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीजी रोड निवासी मनोज कुमार जैन (30) बाजार में रेडिमेड कपड़ों की दुकान चलाते थे। बीती रात दुकान से लोटने के बाद ही

मनोज ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का कदम उठाया। बड़े भाई प्रदीप कुमार जैन ने बताया कि रात को बाजार से आकर मूंमफली खाने के लिए भाई को बुलाया था, ऊपर जाकर देखा तो वह फांसी के फंदे पर लटका था, फंदे से उतारकर उसे जिला अस्पताल लाये, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। युवा व्यापारी की डेढ़ साल पहले ही शादी हुई थी। युवक ने आत्महत्या किन कारणों के चलते की है। फिलहाल इसका खुलासा नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग की कायमी कर पीएम उपरांत शव परिजनों को सौंपकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मीडियाकर्मी के साथ लूट कैमरा, मोबाईल और नगदी छुड़ा ले गए बदमाश

गुना, देशबन्धु। चांचौड़ा थानांतर्गत कोन्याडांग एवं पीपल्यामोती के बीच एक टीवी पत्रकार के साथ लूट का मामला सामने आया है। चार बदमाशों ने लाठी एवं डंडों के दम पर युवक का कैमरा, हेंड माईक, दो मोबाईल, नगदी सहित अन्य जरूरी कागजात लूट कर ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी विजय कुमार पुत्र रामकिशन जोगी निवासी वार्ड क्रमांक 15 बीनागंज ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह न्यूज चैनल में काम करता है।

गत दिवस दोपहर को वह अपनी मोटर साईकल से ग्राम उमरथाना गया था। वहां से वापस लोटते समय कोन्याडांग और पीपल्यामोती की कच्ची रास्ता घूम पर में रूक गया। तभी चार अज्ञात बदमाशों ने उसे घेर लिया और लाठी-डंडे से हमला कर दिया। जिसमें उनके हाथ-पैरों में चोटें आई हैं। इस दौरान बदमाशों ने उनके बैग में रखा एनएक्स 100 कैमरा, एक हेंड माइक एवं दो मोबाईल, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड तथा नगदी करीबन 1200 रुपए छुड़ाकर ले गए। फरियादी के अनुसार इन सभी की उम लगभग बीस से पच्चीस वर्ष की होगी। सभी पेंट सर्ट पहने थे एवं बोलचाल की भाषा में आसपास क्षेत्र के ही लग रहे थे। फिलहाल पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर धारा 382 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

तलवार लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

गुना, देशबन्धु। राघौगढ़ पुलिस द्वारा सरकारी अस्पताल साडा रोड पर मोटर सायकिल के आगे तलवार रख जा रहे बदमाश को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गस्त के दौरान पुलिस को साडा रोड पर मोटर साईकिल के हेण्डल के ऊपर एक तलवार रखकर ले जाता हुआ व्यक्ति दिखा। जिसे पुलिस ने आवाज लगाकर रोका जो अपनी मोटर साईकिल तेजी से चलाकर भागने का प्रयास करने लगा। जिसे पुलिस ने घेराबंदी करके पकड़ा। जिसने पूछताछ में अपना नाम राहुल मेहतर पिता रामचरण मेहतर निवासी लम्बाचक्क तहसील कुम्भराज जिला गुना का होना बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 25(बी) आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया है।

खुले में मांस, मछली, अंडा विक्रेताओं को दी चेतावनी, आज से होगी कार्रवाई

गुना, देशबन्धु। खुले में मांस, मछली, अंडा बेचने वालों पर मुख्यमंत्री के पहले ही सख्त आदेश के बाद गुरुवार को नगरपालिका अमला सक्रिय हो गया। हालांकि गुरुवार को शहर में खुलेआम चौराहों पर बिक रहा मांस, मछली और अंडा वालों पर कार्रवाई तो नहीं की गई, लेकिन नगरपालिका अमले द्वारा अपने वाहन से मुनादी कराकर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता के अनुसार चेतावनी के बाद शुक्रवार से सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। गुरुवार को हमारे अमले द्वारा शहरभर में अलाउसमेंट के माध्यम से चेतावनी दी गई है।

दरअसल शपथ लेते हुए ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुले में मांस और मछली बेचने पर प्रतिबंधित करने का आदेश दिया है। सीएम ने पहले आदेश में सख्ती से निर्देश दिएग ए हैं कि प्रदेशभर में खुले में मां-मछली की दुकानें नहीं लगे। इस पर कार्रवाई की जाए। इसके बाद ही नपा अमला एक्टिव हो गया है। नपाध्यक्ष के आदेश पर एक टीम द्वारा शहरभर में खुले में बिकने वाले मांस, मछली, अंड, बिरयानी वाले स्थलों को चिहिन्त कर यहां चेतावनी दी गई। अब शुक्रवार से खुले में मांस, मछली बेचने वालों पर कार्रवाई होगी।

मथुरा में मिला गुम किशोर

गुना, देशबन्धु। धरनावदा पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र से नाबालिग किशोर के गुम होने के मामले में पुलिस की त्वरित कार्यवाही करते हुए नाबालिग किशोर को मथुरा से खोज निकाला।

दरअसल पीड़ित बालक के पिता द्वारा धरनावदा थाना पुलिस को रिपोर्ट करते हुए बताया था कि 10-11 दिसंबर की मध्य रात से उसका 16 वर्षीय नाबालिग पुत्र घर से बिना बताये कहीं चला गया है, जिसे उसके द्वारा हर संभावित जगह पर तलाश कर लिया लेकिन उसका कहीं कोई पता नही चल पा रहा है। जिसकी रिपोर्ट पर से धरनावदा थाने में अपराध क्रमांक 507/23 धारा 363 भादवि का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया था।

पुलिस द्वारा प्रकरण के अपहृत बालक की सरगर्मी से तलाश की गई एवं इसमें विभिन्न तकनीकी संसाधनों की मदद ली गई। जिसके परिणाम स्वरुप अपहृत बालक के मथुरा में होने की जानकारी मिलने पर धरनावदा थाने से पुलिस की एक टीम मथुरा पहुंची और जहां से गत् दिवस को प्रकरण में अपहृत बालक को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है ।

दानदाता के सहयोग से ही गौसेवा का संकल्प सफल हो सकता हैं : कुशवाह

आष्टा, देशबन्धु। नगर के समीप स्थित मॉ पार्वती धाम गौशाला गौ सेवा के क्षेत्र में संपूर्ण क्षेत्र में अपनी अलग ही पहचान बना चुकी हैं। नगर एवं आसपास के निवासीगण गौ सेवा के माध्यम से अपने सामाजिक सरोकारों का निर्वहन करते हैं। जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ एवं अपने पूर्वजों की स्मृति में आयोजन मां पार्वती धाम गौशाला में मनाये जाते हैं। वर्ष 2014 में नगर के गौसेवकों के प्रयास से प्रारंभ हुई गौ सेवा की यह मुहिम आज नगर में अनूठी पहचान बना चूंकि हैं। दानदाताओं के सहयोग से करीब 150 से अधिक गौ माताओं के संरक्षण इस गौ शाला में किया जा रहा हैं। मां पार्वती धाम गौशाला के अध्यक्ष पूर्व पार्षद नरेन्द्र कुशवाह ने बताया कि मां पार्वती धाम गौशाला के सुचारू संचालन के लिए हमने परिवार के मांगलिक एवं अपने पूर्वजों की स्मृति में मनाये जाने वाले आयोजनों को गौ सेवा के रूप में मनाये जाने का अभियान पिछले करीब 3 वर्षों से चलाया हुआ हैं, जिसकी परिणिति आज यह हैं कि आए दिन मांगलिक उत्सव जैसे जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगॉठ एवं अपने पूर्वजों की स्मृति में गौसेवा के रूप में नागरिकगण शिरकत कर रहे हैं, जिससे गौसेवा का धार्मिक लाभ तो मिलता ही हैं, वह गौ सेवा के अभियान की समाज में चेतना फैल रही हैं।

उन्होने समाज एवं दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्ति करते हुए कहा कि गौ सेवा का संकल्प तभी तक संभव हो सका कि दानदाता एवं समाज का गौ सेवा के कार्य में सहयोग मिला। नगर के गौसेवा प्रेमी पप्पू कुशवाह बेरसिया, मृदुल पारख, विपिन सिंगी, दीपेश सिंगी, डॉ. रमेश अरोलिया, डॉ. पूनम वर्मा ने मां पार्वती धाम गौशाला के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद नरेन्द्र कुशवाह के जन्मदिन पर गुल्लक भेट की। इस अवसर पर सुभाष सांवरिया, सुनिल प्रगति, नरेन्द्र पोरवाल, संजय जैन किला, संजय सुराणा, सुनिल कचनेरिया, नितिन सिंगी, अमरचंद कुशवाह आदि मौजूद थे।

बुनकरों को पहचान दिलवाने वाले मेहमूद अंसारी अब नहीं रहे

आष्टा, देशबन्धु। बुनकर भाइयों के लिए प्रदेश स्तर पर कार्य कर सहकारी समिति के माध्यम से के बुनकरों के हाथों द्वारा निर्मित कपड़े को प्रदेश के देश स्तर पर पहचान दिलाने वाले 75 वर्षीय मेहमूद अंसारी का गत सायंकाल में निधन हो गया था रात्रि में लंगापुरा स्थित कब्रिस्तान में उनको दफनाया गया । पुर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने कहा की स्व मेहमूद अंसारी नगरपालिका में कई बार पार्षद रह कर उपाध्यक्ष भी रहे ।

कांग्रेस पार्टी में वे जिला उपाध्यक्ष रहे साथ ही बुनकरों के हित में ही वे सदेव सक्रिय रहे । उनका निधन नगर की बड़ी क्षति है । नगर पालिका परिषद के पार्षद हिफजुरहमान भैया मियां , सुनिल सेठी पूर्व पार्षद , शैलेष राठौर पुर्व पार्षद समाज सेवी सुनील प्रगति, अतीक बारी, रशीद खां अलीपुर आदि ने आज उनके निवास पहुंच कर उनके सुपुत्र मोहसिन अंसारी दामाद मुश्ताक अंसारी एवम परिजन से मिल कर शोक संवेदना व्यक्त की।

आज से प्रारंभ होगी नगर मे संगीतमय भागवत कथा

आष्टा, देशबन्धु। श्री श्याम श्याम चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सात दिवसीय संगीतमय रामकथा महा महोत्सव का भव्य आयोजन 15 दिसंबर दिन शुक्रवार से 21 दिसंबर गुरुवार तक नया दशहरा मैदान खंडेलवाल ग्राउंड पर किया जा रहा है। जिसमें मालवा क्षेत्र के सुप्रसिद्ध रामकथा मर्मज्ञ संत श्री मिद्धुपुरा सरकार अपनी सुमधुर वाणी से राम कथा का रसपान कराएंगे। कथा का समय दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक रखा गया है। कथा समिति के अध्यक्ष संजीव पांचम द्वारा सभी धर्म प्रेमी बंधुओ माता बहनों से अनुरोध किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कथा श्रवण कर अपने जीवन को कृतार्थ करें।

झगड़ा प्रथा में अपहरण करने वाले 7 फरार आरोपी गिरफ्तार

गुना, देशबन्धु। धरनावदा थानांतर्गत झगड़ा प्रथा की राशि चुकाने के लिये पिता के अपहरण के मामले में फरार सभी 7 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला धरनावदा थाना क्षेत्र के ग्राम हरिपुरा का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 मई 23 को फरियादी इंदर सिंह पुत्र भानु बंजारा निवासी बंजारों का टपरा ग्राम हरिपुरा थाना धरनावदा द्वारा धरनावदा थाने पर रिपोर्ट करते हुए बताया था कि 19-20 मई की रात में उसके घर के बाहर कुछ चिल्लाचौंट की आवाजें सुनकर उसने बाहर जाकर देखा तो 6-7 लोग उसके भाई बहादुर बंजारा को खींचकर मारपीट करते हुये ले जा रहे थे एवं उसका भाई बचाओ-बचाओ चिल्ला रहा था। उसने पास जाकर देखा तो राजस्थान के चिताई गांव के विजय सिंह बंजारा, पप्पू बंजारा, मेम्बर बंजारा, अनार सिंह बंजारा, दौलतराम बंजारा, जगदीश बंजारा एवं फूल सिंह बंजारा उसके भाई को पकड़े हुये थे एवं जो बोल रहे थे कि उन्हें झगड़ा की राशि देकर अपने भाई को छुड़ा लेना। जिसने बताया कि आज से 15 साल पहले उसके भाई बहादुर भील की लडक़ी की शादी ग्राम चिताई निवासी जगदीश भील के साथ हुई थी । इसके बाद उसकी भतीजी द्वारा अपनी मर्जी से दूसरी जगह शादी कर ली और जगदीश बंजारा द्वारा भी दूसरी शादी कर ली । इसके बाद भी जगदीश बंजारा तथा उसके परिजनों द्वारा उसके भाई बहादुर भील से झगड़ा प्रथा के रूप में राशि मांगी जा रही है और इसी राशि को चुकाने के लिये वह लोग उसके भाई बहादुर बंजारा का अपहरण कर जबरन अपने साथ ले गये हैं। जिसकी रिपोर्ट पर से उक्त सभी सातों आरोपियों के विरूद्ध धरनावदा थाने में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। धरनावदा थाना पुलिस द्वारा प्रकरण के अपहृत बहादुर बंजारा को चिताई गांव से दस्तयाब कर लिया गया, इस दौरान गांव में पुलिस के आने की भनक लगते ही सभी आरोपी गांव से भागकर फरार हो गये थे। जिन्हें गत दिवस मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

छात्रों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

गुना, देशबन्धु। 11 वहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल वाराणसी से गुना जिले में स्थित विभिन्न इकाइयों का आपदा निरीक्षण करने के लिए सात दिवसीय कार्यक्रम के तहत तहत टीम सागर जिले के विभिन्न तहसीलों में जाकर , तहसीलों में स्थित इकाइयों का निरीक्षण कर आपदा संबंधित उनकी तैयारी का निरीक्षण करना एवं उनके साथ मीटिंग करना ताकि भविष्य में होने वाले किसी प्रकार के आपदा से मिलजुल कर निपटा जा सके इसके साथ ही सभी तहसीलों में स्थित स्कूल कॉलेजों के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आपदा के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

आपदा जोखिम नियुनिकरण मुहीम के अंतर्गत आपदाओं से बचाव एवं प्रबंधन हेतु विभिन्न संस्थानों और हितधारकों को सशक्त बनाने के लिए एनडीआरएफ की टीमें लगातार प्रशिक्षण प्रदान कर रही है साथ ही शिक्षण संस्थानों में आपदा से बचाव हेतु स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम का भी आयोजन कर रही है। उसी कड़ी में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जिला गुना (मध्य प्रदेश) में 11 बटालियन एनडीआरफ वाराणसी के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के दिशा-निर्देशन में एवं इंस्पेक्टर जीडी बृजेश कुमार तिवारी के नेतृव में एनडीआरएफ टीम द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें एनडीआरएफ की प्रशिक्षित एवं अनुभवी टीम द्वारा भूकंप में बचाव के तरीके, सीपीआर, गले में फंसी बाहरी वस्तु के निकालने के तरीके, शारीरिक चोटों का अस्पताल पूर्व उपचार, तात्कालिक स्ट्रेचर बनाना, लिफ्टिंग और मूविंग के तरीके, अग्निशमन और आग से बचाव की तकनीक, रस्सी बचाव तकनीक, अग्निशामक यंत्र का उपयोग, इम्प्रोवाइज्ड फ्लोटिंग डिवाइस (राफ्ट) बनाना, सडक़ सुरक्षा आदि विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त कोरोना के नए वेरिएंट से बचने के लिए कोविड प्रोटोकोल का पालन करने सम्बन्धित तरीकों की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्कूल के अन्य कर्मचारियों के साथ ही मध्य प्रदेश नगर सेवा के सदस्य तथा होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री राजकुमार पथरोल व उनकी एसडीईआरएफ के अन्य सदस्य भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर भाग लिया और इससे लाभान्वित हुए।

विशेष स्वच्छता अभियान चलाया

आष्टा, देशबन्धु। भारत सरकार द्वारा विशेष स्वच्छता क्लीन टॉयलेट अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद के नपा अध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर राय सिंह मेवाडा मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश सक्सेना के आदेश अनुसार निकाय में स्थित सार्वजनिक शौचालय बस स्टैंड सभी शौचालय क्लीन टॉयलेट अभियान का आयोजन किया गया । जिसके अंतर्गत सार्वजनिक शौचालय की साफ सफाई की गई सार्वजनिक शौचालय का रखरखाव और सौंदर्यकरण किया गया एवं शौचालय के साइड में बने यूरिनल की साफ सफाई की गई और रखरखाव के लिए कैयर टेकर को जागरूक किया गया विशेष क्लीन टॉयलेट साफ सफाई अभियान में युवाओं और सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भाग लिया और इस अभियान को सफल बनाया क्लीन टॉयलेट विशेष स्वच्छता अभियान एस आई विनोद सांगते ज्ञानसिंह बामनिया, योगी सक्सेना, रीतू सक्सेना दरोगा राजेश घेंघट जमादार पप्पू खरे कर्मचारी गण राजेश, महेश, मोहन, अभिषेक उमाशंकर, अनुज सिंह मौजूद रहे ।

भाजपा नेता की हथेली काटने वालों के घरों पर चला बुलडोजर

5 आरोपियों के 3 मकान ढहाए

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल में भाजपा नेता की हथेली काटने वाले आरोपियों के 3 घर पर गुरुवार को बुलडोजर चलाकर ढहा दिए गए। मप्र में मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद बदमाशों के घर बुलडोजर चलाने की यह पहली कार्रवाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसा जनता कॉलोनी में रहने वाले आरोपी फारुख राइन उर्फ मिन्नी, असलम, समीर उर्फ बिल्लू, शाहरुख और बिलाल ने गत 5 दिसंबर को साईं बोर्ड के पास भाजपा अरेरा मंडल झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के महामंत्री देवेंद्र सिंह ठाकुर पर तलवार से हमला कर उसकी हथेली काट दी थी। यह घटना सामने आने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा ने अस्पताल जाकर घायल देवेन्द्र से मुलाकात की थी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही थी। इसके बाद पुलिस ने हमले के पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। यह सभी आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। वहीं इनमें से एक आरोपी फारुख राइन उर्फ बिन्नी हबीबगंज पुलिस थाने की गुंडा सूची में शामिल है। उस पर मारपीट के 14 प्रकरण दर्ज है। इसके चलते। कलेक्टर आशीष सिंह ने उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया था। इधर हमले के 9वें दिन कोलार एसडीएम आशुतोष गोस्वामी की अगुआई में पहुंची नगर निगम की टीम ने इन आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाया।

अतिक्रमण अधिकारी प्रतीक गर्ग और हबीबगंज थाना प्रभारी मनीष राज सिंह भदौरिया ने बताया कि मकानों के अवैध हिस्से और अतिक्रमण को गिरा दिया गया, क्योंकि भवन अनुज्ञा समेत अन्य अनुमतियां नहीं थीं। वहीं जिस जमीन पर बना था, उसके दस्तावेज भी इनके पास नहीं थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों के परिजनों को पूर्व में ही नोटिस देकर अवैध निर्माण तोड़ने की सूचना दे दी गई थी। इसके चलते उन लोगों ने घर खाली कर दिये थे। ऐसे में निगम के 25 से अधिक कर्मचारियों ने मकान तोड़ने की कार्रवाई की। अतिक्रमण को हटाने में डेढ़ घंटे लगे।

देवेंद्र की हालत अब ठीक

हमले में घायल देवेंद्र सिंह फिलहाल शहर के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती है। उसकी हालत अब ठीक बताई जा रही है। देवेंद्र की हथेली के दो आपरेशन हो चुके है।

लाउडस्पीकर, डीजे की ध्वनि सीमा स्तर पर धर्मगुरुओं के साथ हुई बैठक

भोपाल, देशबन्धु। कलेक्टर आशीष सिंह एवं पुलिस आयुक्त हरि नारायण चारी मिश्रा की अध्यक्षता में धार्मिक स्थलों एवं अन्य स्थानों पर लाउडस्पीकर, डीजे के ध्वनि सीमा स्तर से संबंधित राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशों से अवगत कराने धर्मगुरुओं के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर ने बताया कि ध्वनि प्रदूषण एक बड़ी समस्या है, जो कई मानसिक बीमारियों का कारण बना रहा है। साथ ही हृदय एवं अन्य बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों को अत्यधिक तकलीफ़ देता है। इतना ही नहीं बच्चों की पढ़ाई में भी व्यवधान करता है। इसके चलते राज्य सरकार द्वारा मप्र में धार्मिक स्थल एवं अन्य स्थानों पर म.प्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, ध्वनि प्रदूषण नियम के प्रावधानों तथा सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुकम में निर्णय लिया गया है कि किसी भी प्रकार के धार्मिक स्थल अथवा अन्य स्थान में निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर, डीजे.) आदि का उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि निर्धारित ध्वनि सीमा स्तर का कड़ाई से पालन कराया हेतु उड़नदस्तों का गठन किया जा रहा है। लाउडस्पीकरों से संबंधित जारी निर्देशों को विभिन्न माध्यम से अवगत कराने की कार्यवाही की जा रही एवं ध्वनि सीमा स्तर नियमों का पालन करने के लिए 7 दिवस का समय दिया जा रहा है। उसके उपरांत उड़नदस्तों द्वारा मॉनिटरिंग एवं नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी,एडीएम हरेन्द्र नारायण, एसडीएम,पुलिस अधिकारी एवं विभिन्न धर्मो के धर्मगुरु उपस्थित रहे।

एक सप्ताह बाद उल्लंघन पर कार्यवाही की जाएगी

कलेक्टर ने मांस एवं मछली विक्रेताओं की बैठक भी ली

उधर कलेक्टर आशीष सिंह ने राज्य सरकार के लिए गए निर्णय के परिपालन में मांस तथा मछली विक्रेताओं की बैठक लेकर उन्हें खुले में मांस तथा मछली का विक्रय प्रतिबंधित संबंधी जारी निर्देश से अवगत कराकर उसके पालन के लिए निर्देशित किया। आदेश के अंतर्गत मांस एवं मछली के विक्रय के समस्त प्रतिष्ठानों में अपारदर्शी कांच, दरवाजा एवं साफ-सफाई की सम्पूर्ण व्यवस्था होना अनिवार्य है। इसके साथ ही किसी भी धार्मिक स्थल के मुख्य द्वार के सामने सौ मीटर की दूरी के भीतर उक्त सामग्री का विक्रय या प्रदर्शन प्रतिबंधित है। बैठक में मांस एवं मछली विक्रेताओं ने निर्देश के पालन के लिये एक सप्ताह का समय माँगा, जिस पर कलेक्टर ने सहमति दी। इसके साथ ही कलेक्टर ने यह साफ़ किया कि एक सप्ताह बाद निर्देश का उल्लंघन करने पर संबंधित के विरुद्ध विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने नगर निगम आयुक्त फ्रेंक नोबल को इसके संबंध में नगरीय क्षेत्र में विशेष अभियान चलाने के भी निर्देश दिये। बैठक में नगर निगम के अधिकारी एवं मांस एवं मछली विक्रेता उपस्थित रहे।

वार्ड-41 में मतदान 5 जनवरी को

साढ़े 3 सौ पंचों के लिए भी चुनाव होंगे

भोपाल, देशबन्धु। *भोपाल के वार्ड नंबर-41 में पार्षद पद के लिए उप चुनाव होंगे। यहां 5 जनवरी को मतदान होगा। यह सीट मौजूदा परिषद के सबसे वरिष्ठ पार्षद मोहम्मद सगीर के निधन से खाली हुई है। इस वार्ड के साथ जिले की कुल 355 पंचायतों में भी उप चुनाव होंगे। इसमें बैरसिया के220 पंच एवं फंदा में 135 पंच पद शामिल है। चुनाव के लिए गुरुवार को कार्यक्रम घोषित हो गया। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, वार्ड क्रमांक 41 के लिए नरेला एसडीएम रविश श्रीवास्तव को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की कार्रवाई, स्थानों सीटों के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन, मतदान केंद्रों की सूची का प्रकाशन 15 दिसंबर को सुबह साढ़े 10 बजे से, नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख 22 दिसंबर से सुबह साढ़े 10 बले से दोपहर 3 बजे तक रहेगी। इसी प्रकार नाम निर्देशन पत्रों की जांच 23 दिसंबर को सुबह साढ़े 10 बजे से, अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 26 दिसंबर को सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगी। निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी इसी दिन होगा। मतदान 5 जनवरी को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होगी। वहीं, मतगणना और परिणाम की घोषणा 9 जनवरी को सुबह 9 बजे से की जाएगी।*

पुलिसकर्मियों के घर चोरी करने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, देशबन्धु। कमलानगर पुलिस ने एक ऐसे शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है, जिसने पुलिस रेडिया कॉलोनी (वायरलेस कॉलोनी) में एक के बाद एक चोरी की पांच वारदातों को अंजाम देकर सनसनी फैला दी थी। आरोपी छठी वारदात को अंजाम देने की फिराक में रेडियो कॉलोनी में घूमता धरा गया। उसके कब्जे से सोने-चांदी के जेवर और घरेलू सामान समेत दो लाख रुपए का माल बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक पुलिस रेडिया कॉलोनी भदभदा निवासी उमेश मिश्रा पुलिस विभाग में नौकरी करते हैं। विगत 12 दिसंबर की शाम करीब सात बजे वह बच्चों के साथ न्यू मार्केट खरीददारी करने गए थे। रात करीब नौ बजे लौटे तो घर का सामान बिखरा मिला। सूने मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोर गैस सिलेंडर व अन्य घरेलू सामान समेत हजारों के माल पर हाथ साफ कर गए थे। बदमाश पीछे के दरवाजे का ताला तोडक़र भीतर घुसे थे। पुलिस ने इस मामले में चोरी का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की तस्वीरें खंगाली इसके साथ ही। पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रीय किया। इस बीच 13 दिसंबर को सूचना मिली कि कोई संदिग्ध व्यक्ति पुलिस रेडियो कॉलोनी में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी छिपने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने उसे दबोचने का प्रयास किया तो उसने भागने की कोशिश की लेकिन सख्त घेराबंदी के आगे उसकी एक न चली और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और थाने ले आई। यहां पूछताछ करने पर उसकी पहचान संतोष अहिरवार उर्फ झुमरू उम्र 28 वर्ष नवासी बाणगंगा के रूप में हुई। उसने 12 दिसंबर की रात पुलिसकर्मी के सूने मकान में चोरी करना कुबूल कर लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने पुलिस वायरलेस कॉलोन में चोरी की चार अन्य की वारदातें अंजाम देना भी कुबूल किया। इस प्रकार पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नकबजनी की कुल पांच वारदातों का माल उसकी निशानदेही पर बरामद कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी टीट नगर इलाके का निगरानी बदमाश है। पुलिस से बचने के लिए वह अकेले ही चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। आरोपी के कब्जे से बरामद सामान में एक सोने की चेन, सोने का छोटा मंगलसूत्र, नाक की नथ, तीन जोड़ चांदी की पायल, चांदी के 9 सिक्के, कान की बाली एक जोड़, चांदी की दो कटोरी, चार जोड़ चांदी की बिछिया व दो हजार रुपए नगद समेत पीतल, तांबा व स्टील के घरेलू बर्तन तथा चूल्हा व गैस सिलेंडर शामिल है। बरामद सामान की कुल कीमत दो लाख रुपए बताई गई है।

जैविक खेती और प्राकृतिक खेती के विस्तार के प्रयास होंगे

भोपाल, देशबन्धु। संयुक्त संचालक कृषि बी.एल.बिलैया ने बताया है कि जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों के साथ मिलकर सभी उपाय किए जायेंगे । उन्होंने कहा हैं कि मध्यप्रदेश की खेती- किसानी में बढ़ते पेस्टिसाइड और रासायनिक खाद के उपयोग को रोकने के जैविक खाद निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ाया जाएगा। श्री बिलैया ने बताया कि गौशालाओं में निजी भागीदारी भी सुनिश्चित करने के प्रयास करेंगे, जिससे जैविक खाद निर्माण में और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सके। पशुपालन विभाग के साथ कृषि विभाग के वैज्ञानिक अनुसंधान कर संभाग की गौशालाओं को आत्म-निर्भर बनाएंगे। निजी सहभागिता से चलने वाली गौशालाओं की सतत निगरानी की जाएगी।

साधु वासवानी स्कूल के छात्रों ने तीसरा स्थान प्राप्त किया

भोपाल, देशबन्धु। भारत विकास परिषद जबलपुर शाखा द्वारा आयोजित भारत को जानो मध्य क्षेत्रीय प्रतियोगिता 2023 में साधु वासवानी स्कूल के विद्यार्थियों अभिषेक बघेल एवं हर्ष यादव ने कनिष्ठ वर्ग में भाग लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इसके पूर्व भोपाल स्तर पर आयोजित की गई इस प्रतियोगिता में 8 स्कूलों ने भाग लिया था, जिसमें से साधु वासवानी स्कूल के इन विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया था और इन विद्यार्थियों ने एक बार फिर से क्षेत्रीय स्तर पर तृतीय स्थान हासिल कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों की इस उपब्धि पर सिद्ध भाउ ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। वहीं शिक्षाविद् विष्णु गेहानी और विद्यालय की उप प्राचार्या स्वाति कलवानी ने भी विद्यार्थियों को बधाई दी है।

पोस्टर से दिया ऊर्जा संरक्षण का संदेश

भोपाल, देशबन्धु। यूथ एंगेजमेंट फॉर सिविक एक्शन प्रोजेक्ट फैमिली हेल्थ इंडिया द्वारा गुरूवार को यूथ क्लब के सहयोग से राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम हिनोतिया आलम स्कूल, चांदबाड़, कोलीपुरा आदि में युवाओं के साथ मनाया। कार्यक्रम में पोस्टर के मध्यम से विद्युत ऊर्जा, प्रौद्योगिकी ऊर्जा आदि पर विस्तार से चर्चा कर सभी को ऊर्जा संरक्षण के महत्व को समझाया गया। बच्चो के साथ गतिविधि कर ऊर्जा संरक्षण के साथ पर्यावरण सुरक्षा के महत्व को भी जाना। कार्यक्रम में पूनम, रिचा, अंजली, सपना, रक्षा, सिमरन, पलक एवम कशिश सहित विधालय के लगभग 2 सौ बच्चों ने सहभागिता की।

रेलवे ने 11 महीने में ट्रेन की चेन खींचने वालों से 15 लाख का जुर्माना वसूला

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल रेल मंडल प्रशासन ने इस साल जनवरी से नवंबर के बीच 11 महीने में कुल 2 हजार 385 लोगों को बेवजह ट्रेन की चेन खींचने पर पकड़ा और अदालत में पेश किया। अदालत ने इन लोगों से । 15 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना किया है।

रेलवे के अनुसार, बिना किसी उचित कारण के चेन खींचने वालों के विरुद्ध भारतीय रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई करने, जिसमें एक वर्ष तक का कारावास या एक हजार रुपए तक का जुर्माना अथवा दोनों दंड का प्रावधान है। इस साल 11 माह महीने में कुल 4 हजार 219 चेन खींचने के मामलों में से 2 हजार 385 मामले अनाधिकृत रूप से चेन खींचने के पाए जाने पर रेल सुरक्षा बल ने रेल अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए। इसके बाद यह प्रकरण रेल न्यायालय भोपाल में पेश किए । अदालत ने इन मामलों में कुल 15 लाख 16 हजार 780 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया।

भोपाल-दाहोद एक्सप्रेस आंशिक निरस्त

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के रतलाम डाउन यार्ड में ए केबिन से प्लेटफॉर्म संख्या 7 तक कनेक्टिविटी देने के लिए प्रस्तावित ब्लॉक के चलते 19 से 25 दिसंबर तक भोपाल से चलने वाली भोपाल-दाहोद एक्सप्रेस नागदा तक चलेगी और नागदा-दाहोद के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी। इसी प्रकार 20 से 25 दिसंबर तक दाहोद से चलने वाली दाहोद-भोपाल एक्सप्रेस नागदा से चलेगी और दाहोद-नागदा के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी।

रोक लो उन्हें नाटक में कलाकारों ने दिया वृद्धावस्था में साथ देने का संदेश

भोपाल, देशबन्धु। संस्कृति विभाग द्वारा स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय एवं टैगोर विश्वकला एवं संस्कृति केन्द्र के सहयोग से स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय में स्मृति प्रसंग कार्यक्रम में गुरुवार को रंग त्रिवेणी समूह के कलाकारों ने नाटक रोक लो उन्हें प्रस्तुत किया। इस नाटक की कहानी वृद्धावस्था में उपेक्षा पर आधारित है।

नाटक में बताया गया है कि आत्मसम्मान और उम्मीद को तब ठेस लगती है, जब अपनों से की गई उम्मीद वृद्धावस्था में निराशा में बदल जाती है। नाटक की कहानी एक मध्यम वर्गीय परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। अपने बच्चों की उपेक्षा से आहत बुजुर्ग जब घर छोड़ते हैं, तब दर्शक रोक लो उन्हें, रोक लो उन्हें सुनकर भावुक हो गए। नाटक में कलाकार शिवेंद्र सिंह परिहार, यश बलोदिया, भूमिका ठाकुर, अनुज शर्मा, प्रभाकर द्विवेदी, मुकेश गौर, अधिराज सिंह बघेल, आमिर रजक, नवीन मिश्रा, मोनिका ने विभिन्न किरदार निभाकर दर्शकों को मोहित कर दिया। नाटक की पटकथा सुनील मिश्र ने लिखी है। निर्देशन विशाल आचार्य ने किया है। शीलू ने रूपसज्जा की और वेशभूषा रचना मिश्रा की रही, भूमिका ठाकुर, मोनिका विश्वकर्मा ने सहयोग किया।

हेयर डाई लगाने से हुआ दुष्प्रभाव, अब कंपनी को देना होगा 15 हजार रुपए हर्जाना

भोपाल, देशबन्धु। बालों पर लगाए जाने वाले रंग(हेयर डाई) की गुणवत्ता खराब होने पर जिला उपभोक्ता आयोग ने कंपनी पर 15 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोटरा सुल्तानाबाद निवासी राजेश कुमार ने 17 जून 2019 को 50 रुपये में बालों में लगाने के लिए अमीना हर्बल मेहंदी खरीदी थी। उन्होंने पैकेट पर दिए निर्देश के मुताबिक बालों में उक्त मेंहदी लगाई और निर्धारित समय के अनुसार धो लिया। लेकिन बाल धोने के बाद चेहरे पर सूजन के साथ त्वचा काली पड़ने लगी थी। इसके साथ ही वहां पर खुजली भी होने लगी। उन्होंने दुकानदार से संपर्क किया तो दुकानदार ने कहा, इसमें उसी गलती नहीं है, क्योंकि पैकेट के अंदर का उत्पाद कैसा है, यह कंपनी की जिम्मेदारी है। इसके बाद उन्होंने 2020 में उपभोक्ता आयोग में याचिका लगाई। मामला तीन साल तक आयोग में चलता रहा, लेकिन कंपनी की तरफ से कोई भी अपना पक्ष रखने नहीं आया। इसके चलते जिला आयोग ने कंपनी पर 50 रुपये के बदले इलाज में खर्च 10 हजार रुपये और मानसिक क्षतिपूर्ति राशि पांच हजार का हर्जाना लगाया है।

मौखिक या गैर-मौखिक व्यवहार भी यौन उत्पीड़न कानून के दायरे में

बीएमएचआरसी में यौन उत्पीड़न रोकथाम पर कार्यशाला का आयोजन

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान डीआईजी (देहात) मोनिका शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

कार्यशाला में सुश्री शुक्ला ने कहा कि शारीरिक संपर्क, यौन प्रस्ताव, यौन अनुग्रह के लिये मांग या अनुरोध, अश्लील टिप्पणी करना, अश्लील चित्र दिखाने के अलावा अन्य अवांछित शारीरिक, मौखिक या गैर-मौखिक व्यवहार भी कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के अंतर्गत आता है। इसी वजह से कई बार पुरुषों को यह पता ही नहीं होता कि उनका कोई कृत्य यौन उत्पीड़न कानून के अंतर्गत आ सकता है। उदाहरण के तौर पर अधिकारी किसी महिला कर्मचारी के सामने कोई ऐसा कृत्य कर रहा है, जिससे वह सहज नहीं है, तो यह भी इस कानून के दायरे में आ सकता है। ऐसे में पुरुषों को इसका ध्यान रखना ही चाहिए। महिलाओं को भी पहली बार में ही अपना रुख साफ कर देना चाहिए, ताकि पुरुष आगे से ऐसा कोई कृत्य न करे।

सुश्री शुक्ला ने उपस्थित लोगों को यौन उत्पीड़न से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि यह कानून संगठित और असंगठित क्षेत्र सभी जगह पर लागू होता है। लोगों को यह गलतफहमी है कि स्थायी कर्मचारियों पर ही यह कानून लागू होता है, जबकि सच यह है कि हर उम्र की महिला और घर में कामकाज करने वाली महिलाएं भी इस कानून के दायरे में आती हैं। उन्होंने बताया कि हर कार्यालय में एक आंतरिक शिकायत समिति होती है। कोई भी पीड़ित इस समिति में अपनी शिकायत कर सकती है। कभी-कभी ऐसा होता है कि पीड़ित महिला अपने कार्यालय की आंतरिक समिति में शिकायत नहीं करना चाहतीं। ऐसे में पीड़िता पुलिस थाने में जाकर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है। कानून उन्हें इस बात की इजाजत भी देता है।

कार्यशाला में बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि यह कार्यशाला महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों के लिए भी महत्वपूर्ण है। चूंकि पुरुष कर्मचारियों को कार्य स्थल पर अपनी महिला सह कर्मियों के साथ कैसा व्यवहार करना है, यह जानना उनके लिए बहुत जरूरी है। पुरुष कर्मचारी हर महिला कर्मचारी के साथ मर्यादित व्यवहार करें। उन्होंने बताया कि बीएमएचआरसी में भी आंतरिक शिकायत समिति पहले से मौजूद है।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल जोन क्रं.-2 भोपाल

आम सूचना

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बागमुगलियां एक्सटेंशन भोपाल में स्थित भवन क्रं. एच.आई.जी. 218 मंडल द्वारा श्री राहुल अजमेरा आत्मज स्व.श्री आर.एन. अजमेरा एवं श्रीमती हेमा अजमेरा पति श्री राहुल अजमेरा के नाम हस्तांतरण आदेश क्रं. 1031-36 दिनांक 22.04.2016 जारी है एवं विक्रय पत्र पंजीयन कार्यालय में दिनांक 16.05.2016 को पंजीकृत है। इनके द्वारा श्रीमती बबीता जैन पति श्री पवन कुमार जैन के नाम विक्रय पत्र पंजीयन कार्यालय में दिनांक 08.06.2023 को पंजीकृत कराया गया है। श्री राहुल अजमेरा आत्मज स्व.श्री आर.एन. अजमेरा, श्रीमती हेमा अजमेरा पति श्री राहुल अजमेरा एवं श्रीमती बबीता जैन पति श्री पवन कुमार जैन द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मंडल द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र परिचय पत्र एव विक्रय पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त भवन श्रीमती बबीता जैन पति श्री पवन कुमार जैन के नाम हस्तांतरण करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है,जो कि इस कार्यालय में विचाराधीन है। यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी एवं संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अंदर आपत्ति सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल जोन क्रं.-2 भोपाल

भोपाल, शुक्रवार 15 दिसम्बर 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

धुएं और नारों पर मौन मोदी

बुधवार को भारत के नये संसद भवन में घुसकर धुंआ फैलाने और बाहर नारेबाजी करने के पीछे जो लोग हैं, उनमें से चार को पकड़ लिया गया है तथा कुछ की तलाश जारी है। इनसे पूछताछ से मुख्यत: जो बात सामने आई है, उससे प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि उनका मकसद कोई बड़ी घटना को अंजाम देना नहीं था, वरन जनता की कतिपय समस्याओं की ओर देश की सबसे बड़ी पंचायत का ध्यान आकृष्ट करना था। यह तो माना जा सकता है कि युवाओं द्वारा अपनी बात को थोड़ा सनसनीखेज तरीके से ज़रूर उठाया गया है, लेकिन इसके बरक्स दो बातें सामने आई हैं- पहली तो यह कि करोड़ों रुपयों से निर्मित नये संसद भवन की सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत लचर है; और दूसरी बात है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हमेशा की भांति चुप्पी। इस हादसे ने साबित कर दिया है कि देश के साथ बड़ी से बड़ी बात हो जाये, मोदी अपना मौन व्रत कतई नहीं तोड़ेंगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं वरन एक हद तक शर्मनाक भी है।

नया संसद भवन मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। देश में जब कोविड-19 का भीषण प्रकोप था तथा देश को महामारी से लड़ने के लिये बड़ी धन राशि की आवश्यकता थी, तब इसका निर्माण किया गया था। मोदी खुद इसकी प्रगति देखने आते रहते थे। उस समय इस बात का यह कहकर विरोध हुआ था कि पुराने संसद भवन के रहते, वह भी ठीक-ठाक हालत में होने के बावजूद इस नये भवन को बनवाना एक बड़ी फिज़ूलखर्ची है। बाद में यह बात साफ होती चली गई कि इसका उद्देश्य पुराने भवन के साथ नत्थी देश के स्वतंत्रता संग्राम की विरासत को मिटाना है। खासकर, उस भवन पर पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जो सुखद छांव बनी हुई थी, वह मोदी को उनकी विचारधारा के कारण कड़ी धूप सी प्रतीत होती थी। इसी क्रम में उन्होंने नेहरू के शासकीय निवास तीन मूर्ति भवन को भी प्रधानमंत्रियों के संग्रहालय में बदलवा दिया। नेहरू विरोध के अलावा मोदी नये भवन का 2024 के लोकसभा चुनाव के लिये भी इस्तेमाल करना चाहते हैं। बहरहाल, इस भवन के बारे में दावा किया गया था कि इसकी सुरक्षा बड़ी पुख्ता है। विशेषकर 13 दिसम्बर, 2001 को पुराने भवन पर हुए आतंकी हमले के मद्देनज़र इसकी ज़रूरत भी थी।

इस भवन के उद्घाटन के अवसर पर बुलाये गये विशेष सत्र को छोड़ दें तो यही इसका नियमित सत्र (शीतकालीन) है, जो अब भी जारी है। पहले ही सत्र में, वह भी ठीक उसी दिन- 22 वर्षों के बाद इसकी सुरक्षा व्यवस्था की पोल कुछ निहत्थे युवाओं ने खोलकर रख दी। उनके कृत्य को कतई समर्थन नहीं मिल रहा है परन्तु इसमें कोई शक नहीं रह जाना चाहिये कि इस भवन की सजावट पर तो खूब ध्यान दिया गया है, लेकिन सुरक्षा की बुनियादी आवश्यकता पूरी तरह से नज़रंदाज़ की गई है। दो दशक पूर्व हुए हमले में तो जांबाज़ सुरक्षाकर्मियों ने आतंकवादियों को संसद भवन में घुसने तक नहीं दिया था। अबकी एक नहीं दो लोग दर्शक दीर्घा से सदन के बीचों-बीच कूद पड़ते हैं और बाकायदा एक से दूसरी बेंचों को फलांगने में भी सफल हो जाते हैं।

इनमें से एक युवक ने अपने जूते में छिपाकर लाये केन स्प्रे से पीला धुंआ भी फैलाया। यानी वे कोई हथियार भी ला सकते थे। वे अगर नहीं लाये तो इसका जवाब बाहर उनके द्वारा लगाये गये नारों में छिपा है। बताया जाता है कि उनके साथ दो लोग और थे परन्तु वे दर्शक दीर्घा से ही अफरा-तफरी का फायदा लेकर निकल गये। महत्वपूर्ण सदन के भीतर का धुंआ ही नहीं है वरन गिरफ्तारी के बाद उनके द्वारा लगाये गये नारे भी हैं, जो उनके उद्देश्य को बतलाता है। वे सामान्यजन हैं जो बेरोजगारी, मणिपुर, तानाशाही से सम्बन्धित नारे लगा रहे थे।

सवाल यह है कि इस घटना के लिये जिम्मेदार कौन है? इस कांड के ठीक एक दिन पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगभग 75 साल पहले हुए देश के विभाजन और कश्मीर के मामले में नेहरू की गलतियां गिना रहे थे, जबकि सामने हुई घटना की जिम्मेदारी से वे बचते फिर रहे हैं। सिर्फ वे नहीं, मोदी भी। पूरी सरकार ही मुंह छिपा रही है। मोदीजी ने इस मामले पर अब तक कुछ नहीं कहा है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह भी जवाबदेही निभाने में निराश कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस उनके अधीन है और सुरक्षा का जिम्मा उनके ऊपर है। इस मामले पर जब विपक्ष के लोगों ने संसद में सवाल उठाए तो उनके जवाब देने की जगह सांसदों का मुंह जबरदस्ती बंद कराया गया है। राज्यसभा में गुरुवार को विपक्ष ने 28 नोटिस इस मुद्दे पर बहस के लिए दिए थे। इसी तरह लोकसभा में भी एक दर्जन से ज्यादा इंडिया के सांसदों ने नोटिस देकर इस पर चर्चा की मांग की थी। लेकिन दोनों सदनों में किसी भी नोटिस पर सरकार ने चर्चा नहीं होने दी। और सवाल पूछने के जुर्म में 15 सांसदों को निलंबित कर दिया।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले तेलंगाना में मोदी की प्रचार सभा में एक लड़की टावर पर चढ़ गई थी। वह भी बेरोजगारी से त्रस्त थी। रिश्तेदार बतलाते हैं कि वे देश की मूलभूत समस्याओं से व्यथित थे। नीलम ने तो कई परीक्षाएं पास की हैं पर उसके पास नौकरी नहीं है। रोजगार हो या तानाशाही का आरोप- जवाब तो मोदी को ही देने हैं लेकिन उनके पास आत्म प्रशंसा, विपक्ष को कोसने और खुद को निरीह दर्शाने के लिये कई बातें हैं पर इन बुनियादी बातों का उनके पास कोई जवाब नहीं है। यह नया संसद भवन देशवासियों के पैसों से बना है। इसलिये देश के सुरक्षित हाथों में होने का दिन-रात दावा करने वाले पीएम और भाजपा को बतलाना होगा कि इस गम्भीर चूक का दोषी कौन है तथा उन्हें क्या सज़ा दी जायेगी। बाहर बेरोजगारी और तानाशाही के खिलाफ जो नारे लग रहे थे, उनके जवाब भी मोदी को ही देने हैं। वैसे उनसे इसलिये उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि पिछले 10 वर्षों से वे मौन ही तो हैं।

यूजीसी और एनसीईआरटी का हिन्दू राष्ट्र शैक्षणिक कार्यक्रम

भाजपा सरकार केंद्र में अपनी सत्ता की दूसरी पारी के अंत की ओर है। करीब दस साल की इस अवधि में सरकार ने देश के लगभग सभी संस्थानों और संस्थाओं की दशा और दिशा में जो बदलाव किये हैं, वे सबके सामने हैं। ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई ने विपक्षी पार्टियों के खिलाफ वह सब कुछ किया, जो वे कर सकती थीं। कई मौकों पर चुनाव आयोग की भूमिका भी निष्पक्ष नहीं रही है। इस बीच, यूजीसी और एनसीईआरटी शिक्षा प्रणाली और पाठ्यक्रमों में सत्ताधारी दल को सुहाने वाले परिवर्तन करने में व्यस्त रही हैं।

नयी शिक्षा नीति (एनईपी) हमारी शिक्षा व्यवस्था के ढांचे और स्वरूप में आमूलचूल परिवर्तन लाने वाली है। सरकार द्वारा नियमित रूप से ऐसे निर्देश जारी किये जा रहे हैं जिनसे विद्यार्थियों के मनो-मस्तिष्क में हिन्दू राष्ट्रवादी विचार और सिद्धांत बिठाये जा सकें। सरकार ने सबसे पहले विद्यार्थियों के आंदोलनों और उनके प्रतिरोध को कमज़ोर करने और उनमें भागीदारी करने वालों को डराने-धमकाने का अभियान शुरू किया। इन आंदोलनों के नेताओं पर राष्ट्रद्रोही का लेबल चस्पा कर दिया गया। तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने प्रस्तावित किया कि प्रत्येक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रांगण में एक बहुत ऊंचे खम्बे पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए। यह भी प्रस्तावित किया गया कि जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय (जेएनयू) के कैंपस में सेना का एक टैंक स्थापित किया जाए। वह इसलिए क्योंकि वहां के विद्यार्थी ऐसे मसले उठा रहे थे जो सरकार को पसंद नहीं थे।

हाल में इसी तर्ज पर कई निर्देश / आदेश जारी किये गए हैं। इनमें से एक यह है कि आरएसएस के प्रचारक और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के संस्थापक दत्ताजी दिदोलकर की जन्म शताब्दी को मनाने के लिए एक साल तक चलने वाले आयोजनों में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। एक हिन्दू राष्ट्रवादी को राष्ट्रनायक का दर्जा देने का इस प्रयास का फोकस महाराष्ट्र के कॉलेजों पर है. क्या हिन्दू राष्ट्रवादी नेताओं को हीरो बनाने का यूजीसी का यह प्रयास उचित है? क्या हमें उन नायकों को याद नहीं करना चाहिए जो भारतीय राष्ट्रवाद के हामी थे और जिन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ संग्राम का नेतृत्व किया था? आरएसएस से जुड़े दिदोलकर न तो स्वाधीनता संग्राम का हिस्सा थे और ना ही वे भारतीय संविधान के मूल्यों में आस्था रखते थे।

यूजीसी ने एक और सर्कुलर जारी कर कहा है कि कॉलेजों में 'सेल्फी पॉइंट' बनाए जाने चाहिए जिनकी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री मोदी का चित्र हो। कहने की ज़रूरत नहीं कि यह 2024 के आमचुनाव की तैयारी है। किसी भी प्रजातान्त्रिक देश में ऐसा नहीं होना चाहिए। क्या सरकार को किसी भी एक पार्टी के शीर्ष नेता का प्रचार करना चाहिए? क्या यह प्रजातान्त्रिक मानकों का उल्लंघन नहीं है? प्रजातान्त्रिक और संवैधानिक मूल्यों का इस तरह का खुल्लमखुल्ला मखौल क्या सरकार द्वारा अपनी शक्तियों के घोर दुरुपयोग के श्रेणी में नहीं आता?

राम पुनियानी

नयी शिक्षा नीति (एनईपी) हमारी शिक्षा व्यवस्था के ढांचे और स्वरूप में आमूलचूल परिवर्तन लाने वाली है। सरकार द्वारा नियमित रूप से ऐसे निर्देश जारी किये जा रहे हैं जिनसे विद्यार्थियों के मनो-मस्तिष्क में हिन्दू राष्ट्रवादी विचार और सिद्धांत बिठाये जा सकें। सरकार ने सबसे पहले विद्यार्थियों के आंदोलनों और उनके प्रतिरोध को कमज़ोर करने और उनमें भागीदारी करने वालों को डराने-धमकाने का अभियान शुरू किया। इन आंदोलनों के नेताओं पर राष्ट्रद्रोही का लेबल चस्पा कर दिया गया।

इससे भी एक कदम आगे बढ़कर, यह निर्देश जारी किया गया है कि कक्षा सात से लेकर कक्षा बारह तक के विद्यार्थियों को इतिहास के पाठ्यक्रम के भाग के रूप में 'रामायण' और 'महाभारत' पढ़ाया जाना चाहिए (टाइम्स ऑफ़ इंडिया, 22 नवम्बर, 2023)। एनसीआरटी के एक्सपर्ट पैनल के अनुसार, इससे देश के लोगों में देशभक्ति और स्वाभिमान के भाव जागृत होंगे और वे अपने देश पर गर्व करना सीखेंगे! भारत के ये दो महान महाकाव्य निश्चित तौर पर हमारे पौराणिक साहित्य का हिस्सा हैं। वे उस समय के सामाजिक मूल्यों और मानकों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिस समय वे लिखे गए थे। हम इन महाकाव्यों से उस समय के समाज के बारे में बहुत कुछ जान सकते हैं।

रामायण भारत में ही नहीं, वरन श्रीलंका, थाईलैंड, बाली और सुमात्रा सहित एशिया के कई देशों में अत्यंत लोकप्रिय हैं। रामायण के कई अलग-अलग संस्करण हैं। रामायण के मूल लेखक वाल्मीकि थे। गोस्वामी तुलसीदास ने जनभाषा अवधी में उसका अनुवाद कर उसे आम जनता तक पहुंचाया। सोलहवीं सदी से रामायण उत्तर भारत की जन संस्कृति का हिस्सा बनी हुई है। भगवान राम की वह कथा जो हिन्दू राष्ट्रवादियों को प्रिय है, इस कथा के कई अलग-अलग पाठों में से एक है। पौला रिचमेन की पुस्तक 'मेनी रामायन्स' (ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस), भगवान राम की कहानी के अलग-अलग संस्करणों के बारे में बताती है। इसी तर्ज पर ए.के. रामानुजन ने एक लेख लिखा था जिसका शीर्षक था-'थ्री हंड्रेड रामायंस : फाइव एग्जामपिल्स एंड थ्री थॉट्स ऑन ट्रांसलेशन'। यह अत्यंत अर्थपूर्ण लेख दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का हिस्सा था। मगर बाद में एबीवीपी के विरोध के कारण इसे हटा दिया गया।

हिन्दू राष्ट्रवादी रामकथा के एक विशिष्ट संस्करण को बढ़ावा देना चाहते हैं। रामानुजन बताते हैं कि इस कथा के कई स्वरूप है- जैन और बौद्ध स्वरूप हैं, और महिलाओं का संस्करण भी है, जिसकी लेखिका आंध्रप्रदेश की रंगनायकम्मा हैं। आदिवासियों की अपनी रामकथा है। अम्बेडकर ने अपनी पुस्तक 'हिन्दू धर्म की पहेलियां' में हमारा ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया है कि राम ने शम्बूक की केवल इसलिए हत्या कर दी थी क्योंकि वह शूद्र होते हुए भी तपस्या कर रहा था। इसी तरह, राम ने छुपकर और पीछे से वार कर बाली को मार दिया था। बाली कुछ पिछड़ी जातियां ही श्रद्धा के पात्र हैं। कहा जाता है- 'इडा पीडा जावो, बळीचे राज्य येवो' (हमारे दु:ख और तकलीफें खत्म हों और बाली का राज फिर से कायम हो)। अम्बेडकर राम की इसलिए भी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं क्योंकि राम ने मात्र इसलिए सीता को जंगल में छोड़ दिया था क्योंकि उन्हें अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था। पेरियार भी द्रविड़ों पर आर्य संस्कृति लादने के लिए राम की आलोचना करते हैं। ठीक-ठीक क्या हुआ था यह साफ़ नहीं है मगर यह महाकाव्य हमें उस काल के बारे में कई महत्वपूर्ण बातें बताता है।

उसी तरह महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित विश्व की सबसे लम्बी कविता 'महाभारत' भी हमें उस युग में झांकने का मौका देती हैं। ये दोनों ग्रन्थ ज्ञान के स्त्रोत हैं। मगर उन्हें इतिहास के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल करना एक अलग मसला है, जिसका सम्बन्ध हिन्दू राष्ट्रवाद से ज्यादा और विद्यार्थियों को इतिहास के सच से परिचित करवाना कम है।

यह भी कहा गया है कि पाठ्यपुस्तकों में इंडिया की जगह भारत शब्द का इस्तेमाल किया जाए। ऐसा बताया जा रहा है कि चूंकि हमारे देश को इंडिया नाम अंग्रेजों ने दिया था अत: वह गुलामी का प्रतीक है। इस तथ्य को जानबूझकर छुपाया जा रहा है कि हमारे देश के लिए इंडिया से मिलते-जुलते शब्दों का प्रयोग अंग्रेजों के भारत आने से बहुत पहले से हो रहा है। ईसा पूर्व 303 में मेगस्थनीज ने इस देश को इंडिका बताया था। सिन्धु नदी के नाम से जुड़े हुए शब्द भी लम्बे समय से इस्तेमाल हो रहे हैं। हमारे संविधान में प्रयुक्त वाक्यांश 'भारत देट इज़ इंडिया' का कोई जवाब नहीं है। मगर हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा के चलते 'इंडिया' शब्द उन्हें असहज करता है।

वे भारत के इतिहास को नए सिरे से कालखंडों में विभाजित करना चाहते हैं। इतिहास के सबसे पुराने कालखंड, जिसे अंग्रेज़ हिन्दूकाल कहते हैं, को वे 'क्लासिक' (श्रेष्ठ या उत्कृष्ट) काल कहना चाहते हैं। उद्देश्य है इस कालखंड में प्रचलित मूल्यों को हमारे समाज के लिए आदर्श निरुपित करना। ये मूल्य, जो 'मनुस्मृति' में वर्णित हैं, वही हैं जिनके विरुद्ध अम्बेडकर ने विद्रोह का झंडा उठाया था और 'मनुस्मृति' का दहन किया था।

आज यूजीसी और एनसीईआरटी का मार्गदर्शक केवल और केवल हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा है। भारतीय संविधान के मूल्यों से उन्हें कोई लेनादेना नहीं है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया)

कॉप 28 ने भले ही टकराव को टाल दिया, पर संघर्ष के बिंदु अनसुलझे रहे

■ के रवीन्द्रन

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कॉप 28 दुबई वैसे ही आगे बढ़ा है जैसी की उम्मीद थी। चूंकि सदस्य देश इस बात से जूझ रहे थे कि जीवाश्म ईंधन के सबसे संवेदनशील मुद्दे को कैसे औपचारिक रूप दिया जाए और उस पर कैसे ध्यान दिया जाए, इसलिए आम सहमति बनाने की कोशिश करने के लिए जलवायु शिखर सम्मेलन को निर्धारित सीमा से आगे बढ़ाना पड़ा। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार कॉप 28 ने अंतिम घोषणा के रूप में एक प्रस्तावित पाठ जारी किया है, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई के हिस्से के रूप में देशों से जीवाश्म ईंधन से दूर जाने का आह्वान करेगा।

यह कुछ सबसे मुखर राज्यों की सफलता का प्रतीक है जिन्होंने जीवाश्म युग को समाप्त करने के संकल्प को इंगित करने के लिए मजबूत भाषा पर जोर दिया, एक ऐसा लक्ष्य जिसका तेल और कोयला उत्पादक देशों, विशेष रूप से सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात द्वारा जोरदार विरोध किया जा रहा था। यह टकराव शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता में ही अंतर्निहित था, उस कुर्सी पर आबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) के सीईओ बैठे थे।

शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष सुल्तान अल जबेर की एक टिप्पणी 'कोई विज्ञान नहीं है' जो यह दर्शाता है कि वैश्विक तापन को 1.5 एष्ट तक सीमित करने के लिए जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से बंद करने की आवश्यकता है, जिससे भौंहें तन गईं। वह इस हद तक दावा करने लगे कि जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से ख़त्म करना टिकाऊ नहीं होगा। दरअसल, मुख्य शिखर सम्मेलन से इतर एक महिला-उन्मुख कार्यक्रम में उनके और प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई, जहां उन्होंने कहा कि उंगली उठाने का कोई मतलब नहीं है।

ओपेक सदस्य उत्सर्जन को पकड़ने और संग्रहीत करने की प्रौद्योगिकियों के माध्यम से जीवाश्म ईंधन के बजाय उत्सर्जन को लक्षित करने के विचार को बढ़ावा दे रहे हैं। लेकिन समस्या यह है कि कार्बन कैप्चर करना अत्यधिक महंगा है जिससे ध्यान वित्तीय संसाधनों पर केंद्रित हो जाता है। इसका मतलब होगा घोषणा की भाषा में फेज़ आउट को फेज़ डाउन से बदलना। लेकिन अधिकांश देशों ने चरणबद्ध तरीके से इसे ख़त्म करना पसंद किया।

भारत ने कथित तौर पर कोयले को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने से संबंधित मुद्दों को उठाया, जिसके बारे में उसने कहा कि यह निकट भविष्य में किसी भी समय संभव नहीं होगा। नई दिल्ली चाहती थी कि चरणबद्ध तरीके से अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किये जायें। विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अधिक समय और वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है क्योंकि ऐसे लक्ष्यों और विकासशील देशों के लोगों की आकांक्षाओं के बीच संघर्ष होता है, जो कार्बन पदचिह्न में योगदान देता है।

वैश्विक स्तर पर कोयला पिछले 30 वर्षों से बिजली क्षेत्र पर हावी रहा है, और रिस्टैड एनर्जी के अनुसार 2024 में ईंधन की गिरावट की शुरुआत होगी क्योंकि सौर और पवन उत्पादन की लोकप्रियता बढ़ेगी। नवीकरणीय ऊर्जा से नयी बिजली आपूर्ति से बिजली की मांग में अधिक इजाफा होने की उम्मीद है, जिससे अगले साल से कोयले का विस्थापन शुरू हो जायेगा और आने वाले वर्षों में इसमें बढ़ोतरी होगी। परिणामस्वरूप, कोयले से चलने वाली बिजली 2024 में मामूली रूप से गिरकर 10,332 टेरावाट घंटे (टीडब्ल्यूएच) रह जायेगी, जो 2023 से 41 टीडब्ल्यूएच कम है। यह समुद्र में एक सापेक्ष गिरावट है, लेकिन यह आने वाली चीजों का संकेत है क्योंकि नवीकरणीय ऊर्जा अपने विकास पथ को जारी रखे हुए है।

सख्त उत्सर्जन नीतियों और किफायती प्राकृतिक गैस आपूर्ति की प्रचुर उपलब्धता के संयोजन के कारण हाल के वर्षों में यूरोप और उत्तरी अमेरिका में कोयला क्षमता और समग्र उपयोग में निवेश में गिरावट आई है। फिर भी, एशिया, मुख्य रूप से चीन में स्थायी विकास, ने वैश्विक कोयला खपत को बढ़ाये रखा है। ऐसी स्थिति में कम कार्बन वाले बिजली स्त्रोतों के तेजी से विकास से कोयला धीरे-धीरे विस्थापित हो जायेगा, जिससे एक स्वच्छ, हल्की प्रणाली की शुरुआत होगी, जबकि एशिया में नयी क्षमता में निवेश अगले कुछ वर्षों में जारी रहेगा।

वैश्विक स्तर पर कोयला पिछले 30 वर्षों से बिजली क्षेत्र पर हावी रहा है, और रिस्टैड एनर्जी के अनुसार 2024 में ईंधन की गिरावट की शुरुआत होगी क्योंकि सौर और पवन उत्पादन की लोकप्रियता बढ़ेगी। नवीकरणीय ऊर्जा से नयी बिजली आपूर्ति से बिजली की मांग में अधिक इजाफा होने की उम्मीद है, जिससे अगले साल से कोयले का विस्थापन शुरू हो जायेगा और आने वाले वर्षों में इसमें बढ़ोतरी होगी।

प्रचुर कोयला भंडार और आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए ऊर्जा आपूर्ति को शीघ्रता से बढ़ाने की आवश्यकता के कारण, एशिया दुनिया की तीन-चौथाई से अधिक कोयला बिजली उत्पादन के लिए जिम्मेदार है। क्षेत्र में कोयला उत्पादन क्षमता लगातार बढ़ रही है, लेकिन पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच नयी परियोजनाओं की गति धीमी हो रही है। चीन, जर्मनी और अमेरिका जैसे दुनिया भर के देश जो कोयले पर अत्यधिक निर्भर हैं, कोयले को आसानी से विस्थापित करने के लिए काफी तेजी से और अनुकूल अर्थव्यवस्था के साथ नवीकरणीय क्षमता विकसित कर रहे हैं।

यूरोप और उत्तरी अमेरिका व्यवस्थित रूप से कोयला उत्पादन को प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्त्रोतों से बदल रहे हैं, जिससे 1990 के बाद से कोयला बिजली क्षमता 200 गीगावॉट से अधिक कम हो गई है। यूरोप की गिरावट मुख्य रूप से सख्त उत्सर्जन नीतियों से प्रेरित है, जबकि उत्तरी अमेरिका ने मुख्य रूप से कोयला उत्पादन को गैस से बदल दिया है। प्रचुर क्षेत्रीय उत्पादन के कारण बिजली की कीमतें कम हो गई हैं।

एशिया ने पिछले पांच वर्षों में प्रत्येक में 40 गीगावॉट से अधिक नयी कोयला क्षमता जोड़ी है और अगले वर्ष 52 गीगावॉट जुड़ने की उम्मीद है। दूसरे शब्दों में, एशिया 2024 में अर्जेंटीना की कुल स्थापित क्षमता से अधिक कोयला क्षमता जोड़ेगा। इस नयी क्षमता का अधिकांश हिस्सा चीन में है, इसके बाद भारत और इंडोनेशिया का स्थान है। यह वृद्धि 2027 तक जारी रहने की उम्मीद है, हालांकि धीमी गति से, जिसके बाद कोयला बिजली संयंत्रों में गिरावट शुरू हो जायेगी।

पावन प्रसंग

अनमोल हैं पुस्तकें

पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मित्र हैं, हितैषी हैं, जिनको पढ़ने से अल्पकाल में ही हमारा पीढ़ियों के ज्ञानभंडार से परिचय हो जाता है। यदि इस पर चिंतन-मनन करते हुए उनके सार को हृदयंगम किया जाए तो व्यक्ति के जीवन को बदलते देर नहीं लगती। अच्छी पुस्तकें जीवन को हर स्तर पर प्रकाशित व समृद्ध करती है और जीवन को उत्कर्ष आनंद एवं पूर्णता की राह पर आगे बढ़ाती हैं। स्वयं के द्वारा ज्ञान के अर्जन की एक सीमा है। पुस्तकें इस सीमा का विस्तार करती हैं। जब हम पुस्तकों को पढ़ते हैं तो देश ही नहीं, बल्कि विश्व के श्रेष्ठ विचारकों, महापुरुषों एवं ज्ञानी जनों के जीवन का निचोड़ हमारी पहुंच में होता है। पीढ़ियों का ज्ञान हमें सहज रूप में उपलब्ध होता है। आवश्यकता इस ज्ञान के लिए अपने भीतर एक सच्ची अभीप्सा एवं तीव्र पिपासा जगाने की है तथा इसको ग्रहण एवं धारण करने की है। पुस्तकों का अध्ययन हमें कई स्तर पर समृद्ध करता है। इनको पढ़ने से हमारी बुद्धि के दरवाजे खुलते हैं व सोचने का दायरा भी विस्तृत होता है। साथ ही अपने समाज, संस्कृति, इतिहास, भूगोल आदि के साथ दूसरी सभ्यताओं एवं संस्कृतियों के प्रति समझ विकसित होती है। पूरे विश्व, प्रकृति एवं सृष्टि के प्रति संवेदनशीलता का विकास होता है और सही मायने में हम अपने देश, समाज व राष्ट्र के एक अच्छे नागरिक बनते हैं तथा समूचे विश्व को समझने की कुवत हममें पैदा होती है। बिना पुस्तकों को पढ़े हम कुएं के मेंढक की तरह अविकसित ही रह जाते हैं और अपने पूर्वाग्रहों, दुराग्रहों से ग्रस्त एक पिछड़ा एवं संकीर्ण जीवन जी रहे होते हैं।

पुस्तकें हमें सीमित दायरे से बाहर निकालती हैं। निस्संदेह इसके लिए देश एवं विश्व भर के श्रेष्ठ साहित्य से परिचय एवं इनका चयन आवश्यक हो जाता है जो कि आज वैश्वीकरण के दौर में कठिन नहीं है। समाज एवं समूह में सार्थक चर्चा इसी आधार पर संभव होती है और हमारी लोक- व्यवहार की क्षमता में वृद्धि होती है। ज्ञानीजनों की मंडली में हम कुछ सार्थक संवाद करने व योगदान दे पाने की स्थिति में होते हैं। इसके साथ हम समाज के सहज सम्मान के अधिकारी बनते हैं और इन सबके साथ पुस्तकें हमारे आत्मविश्वास को भी बढ़ाती हैं। कठिन समय में अच्छी पुस्तकें हमें सच्चे मित्र की तरह सांत्वना देती हैं, ढाढस बंधाती हैं, आगे बढ़ने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करती है।

व्यक्ति की रुचि व अनुभवों से जुड़ी पुस्तकें जीवन के किसी कठिन पड़ाव पर सटीक समाधान व सही दिशासूचक के रूप में प्राय: निर्णायक भूमिका निभाती देखी जाती हैं। निस्संदेह ये हमारे तनाव को कम करती हैं, अवसाद से उबारती हैं और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करती हैं। अच्छी पुस्तकें चिकित्सक की भूमिका में हमारा उपचार करती हैं। शारीरिक, मानसिक ही नहीं, बल्कि हमारा आत्मिक स्वास्थ्य भी श्रेष्ठ पुस्तकों के माध्यम से पुष्ट होता है।

जब हम मानवीय चेतना का मर्म उद्घाटित करने वाले साहित्य का परायण करते हैं तो हम गहनतम स्तर पर स्वयं की संभावनाओं के साथ इसकी व्याधियों से परिचित होते हैं व इनके निदान का प्रयास करते हैं। इसके साथ हमारे समग्र विकास का मार्ग भी प्रशस्त होता है। अध्ययन से हमारी स्मरणशक्ति बढ़ती है। विश्लेष्णात्मक-विवेचनात्मक सोचने की क्षमता सशक्त होती है। पढ़ने की आदत से व्यक्ति की क्षमता सशक्त होती है। पढ़ने की आदत से व्यक्ति की एकाग्रता और लक्ष्य केंद्रित होने की क्षमता मं वृद्धि होती है। निश्चित रूप से इससे व्यक्ति का मानसिक एवं बौद्धिक ह्रास रुकता है और मानसिक क्षमताएं मजबूत होती हैं।

शोध के आधार पर भी स्पष्ट हुआ है कि पुस्तकों के अध्ययन से मन-मस्तिष्क युवा, स्वस्थ व निरोग रहता है। यहां तक कि भूलने से जुड़े अल्जाइमर जैसे रोग को दूर रखने में यह सहायक सिद्ध होता है। अध्ययन के साथ हमारा शब्द भंडार भी समृद्ध होता है, जो हमारे लेखकीष कौशल में सहायक रहता है। लिखने के लिए दिए गए विचारों की आवश्यकता होती है, नए शब्दों की आवश्यकता पड़ती है। पुस्तकों का अध्ययन यह सब उपलब्ध करा देता है।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

योजनाओं से बदल रही है महिलाओं की जिंदगी

देश भर में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए केंद्र से लेकर सभी राज्य सरकार अपने- अपने स्तर पर विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक का सर्वसम्मति से संसद से पारित होना इस बात का सबूत है कि इस मुद्दे पर देश की सभी राजनीतिक दल पार्टी लाइन से ऊपर उठ कर एकमत हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में बिहार का काम सभी राज्यों के लिए एक नजीर बन रहा है। पिछले दो दशकों में बिहार की आधी आबादी की जिंदगी में जो असाधारण बदलाव आए हैं, वे काबिले-तारीफ है। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने से लेकर त्रिस्तरीय पंचायतीराज संस्थाओं एवं नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसदी से लेकर 50 फीसदी तक आरक्षण देकर आधी आबादी को राष्ट्र-निर्माण में भागीदार बनाने की नीतीश सरकार की पहल उल्लेखनीय है. सरकार के इस पहल का नतीजा है कि आज घर की दहलीज में कैद रहने वाली किशोरियां और महिलाएं आज घर से बाहर निकल कर विभिन्न सरकारी कार्यालयों, गैर सरकारी संगठनों, पंचायती राज संस्थाओं में बखूबी कामकाज संभाल रही हैं। स्कूलों से लेकर कॉलेजों में लड़कियों की अच्छी-खासी संख्या यह दर्शाती है कि राज्य में महिला साक्षरता की दर बढ़ रही है और यह सब नि:संदेह सरकारी पहल एवं कई योजनाओं के संचालन से ही संभव हुआ है।

मुख्यमंत्री साइकिल एवं पोशाक योजना की जब शुरुआत हुई थी, तब बिहार सरकार की इस पहल की देश-विदेश की मीडिया में खूब चर्चा हुई थी. इस पर कई संस्थानों द्वारा शोध कार्य भी किये गए. कल तक जिस सरकारी स्कूल का कैंपस छात्र-छात्राओं से वीरान रहता था, वह अचानक से गुलजार रहने लगा है। जिन ग्रामीण क्षेत्रों और समुदायों में बालिका शिक्षा के प्रति कोई रुचि नहीं थी, वही क्षेत्र और समुदाय आज उत्साह के साथ अपनी लड़कियों को स्कूल से लेकर कॉलेज तक भेज रहा है। तमाम तरह के नारों और वायदों के बाद भी आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े जिन समुदायों में बालिका शिक्षा का ग्राफ नीचे की ओर जा रहा था, आज वहां परिस्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। नये-नये पोशाक एवं नयी साइकिल पर सवार होकर दर्जनों लड़कियां जब एक साथ गांव की पगडंडियों व टूटी-फूटी कच्ची सड़कों से स्कूल के लिए निकलती हैं, तो नजारा देखने लायक होता है। इस योजना ने सुदूर ग्रामीण इलाके में रहने वाली किशोरियों के सपने को जैसे पंख लगा दिए हैं। नयी-नयी साइकिल स्कूल-ट्यूशन जाने का माध्यम तो बनी ही, यह घर के कामकाज जैसे- मवेशियों का चारा काट कर लाना, गेहूं-मक्के की बोरी को मिल तक पहुंचाने में भी मददगार साबित हुई है।

मुख्यमंत्री कन्या साइकिल योजना के लागू होने के बाद पहली बार इसका लाभ उठाने वाली अनेकों छात्राएं पढ़-लिख कर सशक्त हो चुकी हैं। उनमें से कुछ आज बिहार पुलिस में नौकरी भी कर रही हैं, तो कई सरकारी स्कूलों की शिक्षिकाएं बन गई हैं। आधी आबादी की जिंदगी में यह बदलाव न केवल महिला सशक्तिकरण की बेहतरीन मिसाल है बल्कि यह अन्य राज्यों के लिए भी नज़ीर बन चुका है। बेटी को सशक्त देख कर आज ग्रामीण क्षेत्रों के मां-बाप में भी आत्मविश्वास जगा है। उन्हें पहली बार एहसास हुआ है कि बेटी बोझ नहीं सच में लक्ष्मी होती हैं। आज घर घर में बेटियां लाडली बन चुकी है। इन योजनाओं ने माता-पिता के उस सोच को भी बदल दिया है जहां वह लड़की की शिक्षा पर पैसा खर्च करने से अधिक उसके दहेज़ का इंतज़ाम करने के फिक्रमंद होते थे।

रिंकू कुमारी, मुजफ्फरपुर बिहार

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

गणेश परिक्रमा और महाआरती के साथ शुरू होगा रामलीला महोत्सव

रायसेन, देशबन्धु। हर वर्ष की भांति इस बार भी रामलीला मेला आयोजन समिति के तत्वाधान में श्री रामलीला महोत्सव के चलते शुक्रवार 15 दिसंबर से भगवान श्री गणेश की नगर परिक्रमा के साथ महा आरती से ऐतिहासिक श्री रामलीला महोत्सव की विधिवत शुरुआत की जाएगी। श्री रामलीला मेला समिति के कार्यकारी अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी ने बताया कि भगवान श्री गणेश जी की परिक्रमा दोपहर पश्चात 3 बजे से नगर के बड़ा मंदिर से प्रारंभ की जाएगी जो दुर्गा चौक होते हुए माता मंदिर चौराहा होकर सांची रोड से महामाया चौक के सामने से श्री रामलीला गेट होते हुए रामलीला मैदान मेला स्थल पर पहुंचेगी, जहां भगवान गणेश की विशेष पूजा अर्चना के साथ महा आरती का आयोजन एवं प्रसादी वितरण किया जाएगा ।उन्होंने नगर के सभी सनातन धर्म प्रेमियों एवं मेला आएं समिति के समस्त पदाधिकारी तथा सदस्यों से भगवान श्री गणेश की निकलने वाली परिक्रमा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म का लाभ उठाने की अपील की है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार चाचा की मौत, भतीजा घायल

मुरैना, देशबन्धु। जिले के दिमनी थाना अंतर्गत खुर्द मोड पर बुधवार की रात बाइक पर सवार होकर गांव जा रहे चाचा-भतीजे को ट्रैक्टर चालक ने कुचल दिया, जिससे चाचा की मौत हो गई एवं भतीजा घायल हो गया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है वहीं मृतक का पीएम कराकर लाश परिजनों को सौंप दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजवीर पुत्र सुरेश माहौर सिधारी का पुरा करारी-भटारी दिमनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर मुरैना से अपने गांव बुधवार की रात 8ः00 बजे जा रहे थे, जैसे ही उनकी बाइक खुर्द मोड पर पहुंची, तभी सामने से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने बाइक में जबरदस्त टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार राजवीर के चाचा अनिल पुत्र नाथूराम माहौर 23 की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि राजवीर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिस पर से पुलिस ने मृतक एवं घायल को अस्पताल पहुंचाया। मृतक युवक का पीएम गुरुवार की सुबह हुआ और शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

गांवों में शिविर लगाकर किया राजस्व समस्याओं का निराकरण

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देशन में जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा पंचायतों में राजस्व समस्या निवारण शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। जिसमें फौती नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रास्ता विवाद, पीएम किसान सम्मान निधि सम्बंधित मामलो एवं सीएम हेल्पलाइन का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को बक्सवाहा के ग्राम बाजना में राजस्व शिविर लगाया गया जिसमें 6 फौती नामांतरण, 1 सीमांकन, 2 बीपीएल एवं एक पीएम किसान संबंधी आवेदन का निराकरण किया गया। बिजावर के ग्राम पंचायत राईपुरा, महाराजपुर के ग्राम खिरी सहित चंदला के माधवपुर में भी राजस्व शिविर के माध्यम से राजस्व अधिकारियों द्वारा आमजनों की राजस्व संबंधी समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा की तैयारियों की समीक्षा

कार्यक्रमों का व्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करें अधिकारी: कलेक्टर

रायसेन, देशबन्धु। जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा 16 दिसम्बर से 26 जनवरी तक नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में आयोजित की जा रही है। यह यात्रा नागरिकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों की जानकारी देने के साथ ही पात्रतानुसार योजनाओं से लाभान्वित किए जाने के लिए आयोजित की जा रही है। जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल आयोजन हेतु सभी अधिकारी पूरी लगन और निष्ठा के साथ उन्हें सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करें। यह निर्देश कलेक्टर अरविंद दुबे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक सह वीडियो कॉफ्रेंस में विकसित भारत संकल्प यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिए। कलेक्टर दुबे ने अधिकारियों को निर्धारित रूट चार्ट अनुसार निर्धारित दिवसों तथा स्थलों पर विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रमों का सुव्यवस्थित आयोजन किए जाने तथा इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना, उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान सहित अन्य योजनाओं के प्रचार-प्रसार के साथ ही हितग्राहियों को लाभान्वित किए जाने हेतु की गई तैयारियों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने यात्रा कार्यक्रमों के दौरान खेलकूद, विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं संस्कृति कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में भी जानकारी ली। साथ ही सम्पादित की जाने वाली गतिविधियों की पोर्टल पर इन्ट्री कराए जाने के संबंध में भी जानकारी लेते हुए निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक विकास शहवाल, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर अभिषेक दुबे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार सहित एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के आदेश का पालन कराने कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

- नगरीय क्षेत्रों में आज से चलेगा मांस तथा मछली विक्रय के लिए विशेष जांच अभियान

रायसेन, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में खुले में बिना अनुमति मांस तथा मछली का विक्रय प्रतिबंधित किया जायेगा। इसके संबंध में 15 दिसम्बर से सभी नगरीय निकायों में मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम-1956 के प्रावधानों के तहत विशेष अभियान चलाया जायेगा। कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा एसडीएम, सीएमओ सहित संबंधित अधिकारियों को विशेष अभियान चलाए जाने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश के विभिन्न शहरों में सामान्यतरू किसी भी प्रकार के व्यवसाय, दुकान, बाजार या रेहड़ी आदि लगाने के लिये नगरीय निकायों द्वारा मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम-1956 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के अंतर्गत अनुज्ञा/अनुमति/अनापत्ति प्रदान की जाती हैं। विशेष रूप से किसी भी प्रकार के मांस एवं मछली के विक्रय के लिये नगरीय विकास विभाग के अधिनियमों के अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधान लागू होते हैं। इसके अंतर्गत जिलों में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मांस एवं मछली के विक्रय के संबंध में अतिरिक्त शर्तें लगाई जाती हैं। इस अधिनियम के अंतर्गत मांस एवं मछली के विक्रय के समस्त प्रतिष्ठानों में अपारदर्शी कांच/दरवाजा एवं साफ-सफाई की सम्पूर्ण व्यवस्था होना अनिवार्य है। इसके साथ ही किसी भी धार्मिक स्थल के मुख्य द्वार के सामने 100 मीटर की दूरी के भीतर उक्त सामग्री का विक्रय या प्रदर्शन प्रतिबंधित है। सभी जिला कलेक्टर्स, नगरीय निकायों के आयुक्तों और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को अधिनियमों/नियमों एवं लायसेंस की शर्तों का पालन कड़ाई से कराने के निर्देश दिये गये हैं। सभी निकाय क्षेत्रों में आगामी 15 दिवस तक अतिक्रमण निरोधी दस्ते तथा स्वास्थ्य अमले के अतिरिक्त जिला एवं पुलिस प्रशासन विशेष अभियान चलायेगा। यह अभियान 15 दिसम्बर से प्रारंभ होकर 31 दिसम्बर तक निरंतर चलाया जायेगा। अभियान की राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

घर में घुसे चोरों ने मालिक पर चलाई गोली, मौका पाकर भागे

लवकुशनगर, देशबन्धु। थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। एक ओर जहाँ पूर्व में हुई कई चोरियों का खुलासा करने में पुलिस नाकाम रही है वहीं इस बार चारों ने घर में घुसकर अचानक जग गए मकान मालिक पर फायरिंग कर दी। इसके बाद मौका देखकर भाग निकले

इस बड़ी वारदात से चोरों ने पुलिस को चुनौती देने का काम किया है। चोरों ने नगर के वार्ड क्रमांक 5 में बड़ी भवानी मंदिर के पास निवास करने वाले रज्जू रैकवार के यहां बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात्रि घुसकर उस समय वारदात को अंजाम दिया जब घर के लोग अंदर सो रहे थे। चोरों की आहट पाकर रज्जू रैकवार की नींद खुल गई। चोरो की शंका होने पर उसने जब चोरों को ललकारा और भागते चोरों का पीछा करने का प्रयास किया, तभी चोरों द्वारा रज्जू रैकवार पर फायर कर दिया। शोर सुनकर मोहल्ले के कुछ लोग भी बाहर निकल आए। रज्जू रैकवार ने जानकारी बताया कि चोरों की संख्या तीन थी, वे एक बाइक से आये थे। गोली चलाने के बाद चोर बड़े तालाब की ओर भाग गए। चोरों द्वारा जिस कमरे का ताला तोड़ा उसमें रज्जू रैकवार के पुत्र एवं बहू का सामान रखा हुआ था चोरों द्वारा चोरी करके क्या ले जाया गया है इसके बारे में तो रज्जू रैकवार के पुत्र और बहू के आने के बाद ही पता चल सकेगा। दरअसल रज्जू रैकवार के पुत्र और बहू बाहर मजदूरी करने के लिए गए हुए थे। मामले की जानकारी मिलने पर थाना लवकुशनगर की डायल 100 पुलिस वाहन मौके पर पहुंचा था। सुबह तलाश करने पर रज्जू रैकवार को गोली का खाली कारतूस दिखाई दिया जो 315 बोर का था। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच करके चीरों का सुराग लगाया जा रहा है।

दहेज, मांसाहार, नशा मुक्त अभियान के तहत श्रीवास्तव परिवार को दिया चित्रगुप्त सम्मान

- कायस्थ बंधु पत्रिका समिति कर रही है घर घर चित्रगुप्त घर घर सम्मान कार्यक्रम

रायसेन/औबेदुललागंज, देशबन्धु। कायस्थ समाज को मांसहार, नशा मुक्त बनाने को लेकर पिछले तीन साल से भोपाल सहित अन्य जिलों में महा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में अभी तक हजारों की संख्या मे कायस्थ समाज के लोग जुड़ चुके है। इसी कड़ी में गुरुवार को महावीर कालोनी वर्ड 13 मे अभियान समर्थक अरूणा अमित श्रीवास्तव के घर पर चित्रगुप्त सम्मान कार्यक्रम रखा गया। इस सम्मान कार्यक्रम में श्रीवास्तव परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल हुये। समिति के अध्यक्ष गिरीश श्रीवास्तव ने सभी को दहेज मांसहार,नशा मुक्त अभियान मे शामिल होने पर पीले गमछे पहनाकर सम्मान मे प्रशस्ति पत्र के साथ श्री चित्रगुप्त भगवान की तस्वीर भेंट की। इस अवसर पर श्रीवास्तव परिवार के सभी सदस्यों ने भविष्य में अपने बेटे बेटियों का विवाह बिन दहेज मांग के साथ साथ मांसाहार और नशा मुक्त परिवार से करने का संकल्प भी लिया है। समिति के अध्यक्ष गिरीश श्रीवास्तव ने बताया कि यह परिवार विगत लम्बे समय से अभियन का समर्थन कर रहा है। इसलिए घर जाकर कायस्थ बंधु समिति की ओर से चित्रगुप्त सम्मान दिया गया है। गिरीश श्रीवास्तव के अनुसार घर घर श्री चित्रगुप्त ,घर घर सम्मान कार्यक्रम होने से अभी तक औबेदुललागंज सहित सम्पुर्ण रायसेन जिले से सौ से अधिक कायस्थ परिवार अभियान मे शामिल हो चुके है।कायस्थ समाज से दहेज जैसी कुप्रथा खत्म होने के साथ साथ मांसाहार खान पान ,नशा को रोकने के लिए भी कायस्थ बंधु समिति समर्थको के सहयोग से निरंतर हर हसे सम्मान कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

छठवें दिन साइंस एण्ड एजूकेशन संकाय और पैरामेडिकल संकाय ने की जीते मैच

छतरपुर, देशबन्धु। श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय में 12 दिवसीय स्पोर्टस फेस्ट के छठे दिन क्रिकेट के दो मैच खेले गए। प्रथम क्रिकेट मैच साइंस व कंप्यूटर संकाय बनाम कृषि संकाय के मध्य हुआ। जिसमें साइंस व कंप्यूटर संकाय ने जीत दर्ज की। दूसरा क्रिकेट मैच मैनेजमेंट संकाय बनाम पैरामेडिकल के मध्य हुआ। जिसमें पैरामेडिकल ने जीत दर्ज। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केके तिवारी सहायक संचालक शिक्षा छतरपुर थे। विशिष्ट अतिथि विपिन अवस्थी डायरेक्टर संजल ग्रुप ऑफ एजूकेशंन, रामहेत व्यास एपीसी शिक्षा और विनय चौरसिया डायरेक्टर ऑफ पैप्टेक ग्रुप रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने की। अतिथियों ने सर्वप्रथम माँ सरस्वती एवं स्व बलवीर सिंह गौतम के चित्र पर माल्यार्पण कर मैच शुरू कराया। स्वागत भाषण में कुलाधिपति ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल प्रतियोगितओं का आयोजन विश्वविद्यालय में प्रत्येक वर्ष करके प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाता है। मुख्य अतिथि केके तिवारी ने कहा कि खेल का महत्व सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य की ही सीमा नहीं होता है, बल्कि यह हमारे मनोविज्ञानिक विकास के लिए भी आवश्यक है। खेल हमारे मानसिक तनाव को कम करने में मदद करता है और हमें खुश और

स्वस्थ्य रखता है। विशिष्ट अतिथि विपिन अवस्थी ने कहा कि विद्यार्थियों में सहिष्णुता, धैर्य और भाईचारे की भावना का विकास खेल प्रतियोगिताओं द्वारा ही आता है। सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल भी जरूरी है। विशिष्ट अतिथि रामहेत व्यास ने कहा कि खेल से जीवन में ऊर्जा का संचार होता है और तन और मन दोनों स्वस्थ्य रहते हैं। विशिष्ट अतिथि विनय चौरसिया ने कहा कि खेल संज्ञानात्मक विकास को आगे बढ़ाता है और साथ ही साथ खेल कल्पनाशीलता और सृजनात्मक को बढ़ावा देता हैं। खेल शारीरिक और क्रियात्मक विकास को भी बढ़ावा देता है।

क्रिकेट मैच कमेन्ट्री में कुलदीप खरे एवं अम्पायर में ओमप्रकाश एवं राहुल रैकवार की प्रमुख भूमिका रही। स्पोर्टस फेस्ट की आयोजन समिति प्रमुख सदस्य के रूप में डॉ. शिवेन्द्र सिंह परमार, डॉ. सचिन व्यास, डॉ. आशीष पचौरी, विवेक प्रताप सिंह, गौरव शर्मा और नीरज पटेल महत्वपूर्ण भूमिका है।

कंटेनर से मृत मिला बछड़ा बरामद, पुलिस ने किया मामला दर्ज

मुरैना, देशबन्धु। सिविल लाइन थाना पुलिस ने देर रात्रि को देवरी नर्सरी के पास मुरैना धौलपुर मार्ग से सूचना पर तीन कंटेनर को पकड़ा, जिसमें से एक कंटेनर में गाय का बछड़ा मृत अवस्था में मिला। पुलिस द्वारा तीनों कंटेनर को जप्त कर थाने में रखा गया है, जिसमें से एक कंटेनर के विरुद्ध गोवंश अधिनियम का मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस को सूचना मिली कि धौलपुर की ओर से तीन कंटेनर में तस्करी कर गोवंश को वध करने के लिए ले जाया जा रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम ने धौलपुर मार्ग पर देवरी नर्सरी के पास चेकिंग पॉइंट लगाया और वहां से एक कंटेनर क्रमांक आरजे आई एच जीक्यू 8357 को रोक कर तलाशी ली, तो कंटेनर के अंदर गाय का बछड़ा मृत अवस्था में पड़ा हुआ था और घास फूस एवं गोबर डला हुआ था, जबकि दो अन्य कंटेनर में ऐसा कुछ भी नहीं मिला है। पुलिस द्वारा तीनों कंटेनर को थाने में रखा गया है और एक कंटेनर चालक के विरुद्ध गोवंश अधिनियम का मामला दर्ज कर उक्त कंटेनर को जप्त किया गया है।

गणेशपुरा इलाके में ताबड़तोड़ फायरिंग करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

मुरैना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली क्षेत्र के गणेशपुरा इलाके में तीन दिन पूर्व दो गुटों में वहीं फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो आरोपी अभी फरार हैं।

थाना प्रभारी सुनील खेमरिया ने बताया कि गणेशपुरा में फायरिंग के मामले में आप आई भाजपा नेता के पुत्र अमित हर्षाना एवं उदित जादौन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि सोमवार की रात 10:30 बजे के लगभग पार्षद मंडलेश्वर हर्षाना के पुत्र अमित हर्षाना का पुराना विवाद कान्हा पंडित तथा अरविंद उर्फ छोटू चौधरी से चल रहा था। बीती रात दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और विवाद हो गया तथा एक दूसरे ने हथियारों से फायरिंग कर दी। गोली चलने से मोहल्ले में दहशत फैल गई।

हटाए गए अवैध कनेक्शन, बरामद तार को जलाया

- विद्युत विभाग ने जिलेभर में चलाया अभियान

मुरैना, देशबन्धु। विद्युत मंडल मुरैना द्वारा जिले भर में डीपी पर अवैध तार डालकर बिजली आपूर्ति ले रहे उपभोक्ताओं के तार जप्त कर उन्हें हिदायत दी एवं कुछ स्थान पर बरामद तार को जलाया गया। विद्युत विभाग के महाप्रबंधक पी के शर्मा ने बताया कि जिला मुख्यालय सहित सभी तहसीलों में उपभोक्ताओं द्वारा कनेक्शन न लेते हुए डीपी पर तार डाल दिए गए हैं, जिससे आए दिन ओवरलोड के कारण डीपी व ट्रांसफार्मर जल रहे हैं और विद्युत विभाग को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसी के चलते विद्युत विभाग द्वारा लगातार या अभियान चलाया जा रहा है।

गुरुवार को मुरैना मुख्यालय के अलावा जिले की तहसीलों में अवैध तार जप्ती का अभियान चलाया गया। विद्युत विभाग मुरैना

वृत के अन्तर्गत मुरैना शहर में उत्तमपुरा, संजय कॉलोनी, जौरी रोड, प्रेमनगर, बडोखर आदि एवं जिले की तहसील कैलारस, जौरा, सबलगढ, अम्बाह, पोरसा, बानमौर के अलग-अलग क्षेत्रों से भारी मात्रा में टीम बनाकर अवैध तारों को हटाकर जप्त किया गया। विद्युत विभाग द्वारा जप्त किए गए तार को नष्ट भी जलाकर किया गया।

निर्धारित रूट पर नहीं चलने वाले ई-रिक्शा पर की कार्रवाई

मुरैना, देशबन्धु। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा शहर में संचालित ई-रिक्शा संचालकों को रूट का वितरण करने के बाद भी निर्धारित स्थान पर ई-रिक्शा संचालित नहीं करने के चलते गुरुवार को कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस द्वारा लगभग दो दर्जन से अधिक ई-रिक्शा को पकडक़र चौकी पर रखवाया गया और कई ई-रिक्शा संचालकों से जुर्माना वसूला गया, तो वहीं कुछ को हिदायत देकर छोड़ दिया गया।

उल्लेखनीय है कि परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से शहर में भारी संख्या में संचालित सभी ई-रिक्शा चालकों को रूट निर्धारित किए हैं, बावजूद इसके वह मनमानी तरीके से मार्गो पर चल रहे हैं, जिस शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

सब जेल में सांप निकलने से मचा हड़कंप, सर्पमित्र ने किया रेस्क्यू

मुलताई, देशबन्धु। नगर के पट्टन रोड पर स्थित सब जेल में अचानक से एक सांप निकलने से हड़कंप मच गया, सब जेल में बंद एक कैदी को सांप दिखाई दिया, जिसकी सूचना उसने अधिकारी और कर्मचारियों को दी, जिसके बाद सर्पमित्र श्रीकांत विश्वकर्मा को बुलवाया गया। सूचना पाकर सर्प मित्र मौके पर पहुंचे और उन्होंने सांप का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि उन्हें फोन पर सूचना मिली थी कि सब जेल में सांप दिखाई दिया है, इसके बाद वे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने सांप का रेस्क्यू किया। यह सांप धामण प्रजाति का सांप था, जो कि बिना विष वाला होता है, लेकिन इसे घोड़ा पछाड़ भी कहा जाता है, इसकी फुर्ती घोड़े से भी ज्यादा होती है। सांप का रेस्क्यू करने के बाद जेल प्रशासन द्वारा सर्पमित्र का आभार व्यक्त किया गया और बताया गया कि अब उन्हें सांप के भय से मुक्ति मिल चुकी है।

वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियो ने प्रस्तुत किये सांस्कृतिक कार्यक्रम

सारनी, देशबन्धु। कम संसाधन में भी बेहतर पढ़ाई करने का कार्य आदर्श सरस्वती विद्यालय में विद्यार्थियों के माध्यम से किया जा रहा है यह बेहतर कार्य है। यह बात पाल समाज के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोमालाल पाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि कम साधन होने के बाद भी इस विद्यालय के बच्चे बेहतर प्रदर्शन करने का कार्य करते हैं जो अपने आप में एक उपलब्धि से काम नहीं है। स्थानीय गायत्री आदर्श गायत्री विद्यापीठ में वार्षिक उत्सव के दूसरे दिन शालेय छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोमलाल पाल,अध्यक्ष पाल समाज समाज संगठन सारनी विशेष अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन के पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक गीत, कविता,एकल और सामूहिक नृत्य,नाटक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

बीएसएनएल की ब्रॉडबैंड सेवा 2 दिनों से ठप, बैंकों का काम हुआ प्रभावित

सारनी, देशबन्धु। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की ब्रॉडबैंड सेवा पिछले दो दिनों से ठप पड़ी हुई है। बीएसएनएल की सेवा ठप हो जाने के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के वह कार्य जो ऑनलाइन होते हैं वह सभी कार्य ठप हो गए हैं। बताया जाता है कि बुधवार शाम 6 बजे से बीएसएनएल की ब्रॉडबैंड सेवा बंद होने की वजह से गुरुवार शाम 6 बजे तक यह सेवा शुरू नहीं हुई थी। बीएसएनएल की सेवा शुरू न होने के कारण गुरुवार के दिन शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के वह क्षेत्र जहां ब्रॉडबैंड से सारे कार्य एवं लेनदेन होते हैं वह कार्य और लेनदेन पूर्ण रूप से ठप रहा। आश्चर्य की बात यह है कि बीएसएनएल के सारनी कार्यालय में जिम्मेदार पदाधिकारी से जब चर्चा की गई तो कोई भी अधिकारी बीएसएनएल की ब्रॉडबैंड सेवा क्यों बंद हुई है यह बताने को तैयार नहीं है।

चढ़ते समय चलती ट्रेन की चपेट में आई महिला की बचाई थी जान

महिला आरक्षक को वीरता प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

सारनी, देशबन्धु। चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते समय 35 वर्षीय सुधा पति पप्पू राजपूत का पैर फिसल जाने से वह डॉ. अंबेडकर एक्सप्रेस की चपेट में आ गई थी। इस महिला को सूझबूझ और धैर्य के साथ आरपीएफ आरक्षक उमा पटेल द्वारा सुरक्षित निकालकर शुजालपुर पहुंचया गया। महिला आरक्षक उमा पटेल के साहस भरे कार्य के लिए पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन के माध्यम से उन्हें वीरता प्रमाण पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आरपीएफ अनिल कुमार, सब इंस्पेक्टर अवधेश कुमार,प्रधान आरक्षक सर्वेश सिंह आरपीएफ स्टेशन भोपाल पर उपस्थित रहे सभी लोगों की उपस्थिति रहे। इस मौके पर सुशील कुमार जैन ने कहा कि हमें आरक्षक उमा पटेल की कर्तव्यनिष्ठा,दक्षता, समर्पण तत्परता पर गर्व हैं। महिला आरक्षक होने के बाद भी किसी महिला के प्रति इस तरह कार्य में समर्पण के साथ किसी की जान बचाना वाकई अपने कर्तव्य का इससे बड़ा दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि भोपाल रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ने के दौरान यह महिला यात्री फिसल गई। उन्होंने कहा कि इस तरह जनहित के कार्य करने वाले किसी भी विभाग के छोटे-बड़े कोई भी कर्मचारी हो उन्हें हमारी संस्था के माध्यम से सम्मानित करने का कार्य लगाता जारी रहेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

ताप्ती मेले में घूमते मिला बालक, पुलिस और हमदर्द ग्रुप ने परिजनों का पता लगाकर पहुंचाया घर

मुलताई, देशबन्धु। नगर में एक माह के लिए ताप्ती मेले का आयोजन किया गया है, मेला घूमने के लिए बच्चों की जिद कई बार परेशानी का सबब बन जाती है। ऐसा ही एक वाकया बुधवार देर रात सामने आया जब एक बालक मेले में अकेले घूमते हुए सोनू बिंझाडे को मिला, उन्होंने उसे अकेला देख मेले में बनी पुलिस चौकी पहुंचाया, जहा से उन्होंने हमदर्द ग्रुप को सूचना दी, जिसके बाद बालक से उसका नाम पता और पिता का नाम पूछने पर उसने बताया कि वह पारबिरोली का रहने वाला है। उसका नाम अंकित खपरिये और पिता का नाम हरिराम खपरिये है। वह बुधवार सुबह घर से 30 रुपए लेकर ताप्ती मेला घूमने के लिए मैजिक वाहन से मुलताई पहुंचा था। जहा दिन भर मेला घूमने के बाद उसके पास वापस जाने के पैसे नहीं बचे थे और मैजिक वाले भैया भी नही थे। जिसके कारण वह देर रात तक ठंड में अकेला घूम रहा था। बालक के द्वारा जानकारी दी जाने के बाद हमदर्द ग्रुप द्वारा पारबिरोली के सरपंच राजू पवार से संपर्क किया गया और उन्हें बालक की फोटो भेज कर तस्दीक करवाई गई, उन्होंने बताया की यह बालक उन्ही के गांव का है, वे उसके पिता को लेकर मुलताई पहुंच रहे है। कुछ देर बाद राजू पवार मेले में पहुंचे और पुलिस को बालक के बारे में जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने बालक को उनके सुपुर्द कर दिया और बालक सुरक्षित अपने घर के लिए रवाना हो गया।

पाथाखेड़ा के वार्ड क्रमांक 14 में उपचुनाव को लेकर तैयारियां

सारनी, देशबन्धु। पंडित जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 14 के भाजपा से निर्वाचित हुए पार्षद मनोज ठाकुर की सड़क दुर्घटना में 14 जुलाई को मौत हो जाने के बाद यह वार्ड खाली हो गया था इस वार्ड में 6 माह चुनाव होना हैं। इसको लेकर चुनावी रणनीति तैयार हो गई है। प्रशासन की तरफ से निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन 15 दिसंबर को 10 बजे किया जाएगा जबकि स्थान सीटों के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन 15 दिसंबर को 10:30 बजे से किया जाएगा।

मतदान केद्रों की सूची का प्रकाशन 15 दिसंबर को ही होना ताय किया गया है। इसके अलावा नाम निर्देश पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 22 दिसंबर तय की गई है नाम निर्देशन पत्रों का सर्वेक्षण जांच 23 दिसंबर को 10:30 बजे किया जाएगा।अभ्यर्थियों के नाम वापसी लेने की अंतिम तिथि 26 दिसंबर को 10:30 बजे से दोपहर 3 तक निर्वाचन आयोग के माध्यम से तय की गई है। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना और निर्वाचन चिन्हों का आवंटन 26 जनवरी को अभ्यर्थियों के नाम वापसी के ठीक बाद किया जाएगा। 5 जनवरी को सुबह 7 से लेकर 5 बजे तक मतदान किया जाएगा और 9 जनवरी को निर्वाचन के परिणाम की घोषणा की जाएगी।

भाजपा-कांग्रेस में प्रत्याशियों को लेकर उलझन: पंडित जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 14 में दिवंगत पार्षद मनोज ठाकुर की पत्नी बेबी ठाकुर को भाजपा की तरफ से प्रत्याशी बनाया जा सकता है। हालांकि अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है क्योंकि भाजपा से तीन से चार लोगों ने वहां पर टिकट के दावेदारी तय की है। कांग्रेस की तरफ से भी इस वार्ड कई प्रत्याशियों के नाम सामने आने की संभावना की जा रही है लेकिन कोई खुलासा नहीं किया गया है।

सूत्रों का कहना है कि पूर्व कांग्रेस के प्रत्याशी के अलावा दूसरे को भी इस चुनाव में कांग्रेस अपनी तरफ से प्रत्याशी बना सकती है विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार होने के बाद कांग्रेस इस चुनाव में प्रत्याशी के चयन और चुनाव लड़ने में किसी भी तरह का जोखिम लेना नहीं चाहती है। इस चुनाव को लेकर कांग्रेस की तरफ से बैठकों का दौर भी जारी हो चुका है।

वार्डवासियों को हो रही थी परेशानी

राजीव गांधी वार्ड में बंद नाली खुलवाने नपा ने हटवाया अतिक्रमण

मुलताई,देशबन्धु। नगर के राजीव गांधी वार्ड में सोनाली खाटू श्याम धाम रोड पर बने घरों के सामने घरों का गंदा पानी सड़क पर जगह-जगह पर जमा हो रहा था। जिसकी लगातार वार्डवासियों द्वारा शिकायत की जा रही थी। कई बार सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की जा चुकी थी। जिस पर कार्रवाई करते हुए नगर पालिका द्वारा नाली को खुलवाने के लिए लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया गया और नाली खुलवाकर घरों से निकलने वाला गंदा पानी नाली के माध्यम से निकलवाए जाने की व्यवस्था की जा रही है।

इस संबंध में वार्ड पार्षद कुसुम मारुति पवार ने बताया कि वार्ड में सड़क पर जगह जगह गंदा पानी जमा होने की शिकायत मिल रही थी। जिसको देखते हुए नाली पर से अतिक्रमण हटवाकर नाली की सफाई करवाई जा रही है। गुरुवार नाली पर किया गया अतिक्रमण हटवाया गया है, जल्द ही नाली की सफाई कर गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था की जाएगी।

नई मंडी के गेट के सामने लगा दिया कचरे का ढेर

नौगांव -छतरपुर, देशबन्धु। नगर में साफ सफाई के दौरान प्रतिदिन जो कचरा निकलता है उस कचरे को नगर पालिका के वाहन कृषि उपज मंडी के गेट के सामने वाले क्षेत्र में डाल दे देते है। जिससे कचरे से निकलने वाले बदबू से मंडी कर्मचारी उपज लेकर जाने वाले किसान परेशान है। इसको लेकर मंडी सचिव ममता वर्मा के द्वारा नगर पालिका सहित जनपद सीईओ को पत्र के द्वारा अवगत कराया गया। इस कचरे को यहां से उठावायें और साफ सफाई करवायें नहीं हो यहां बैठना दूभर हो जायेगा । चूंकि कचरा नगर पालिका के वाहन डालते है मगर सामने वाला क्षेत्र बिलहरी पंचायत में आता है। बिलहरी से लेकर मंडी प्रांगण तक पहुंच मार्ग पर कचरे के ढेर लगे हुये है। जिसके लिये जनपद सीईओ भागीरथ तिवारी को पत्र लिखकर अवगत कराया है जिसे देखने वह मौके पर आये और बिलहरी सरपंच एवं सचिव को पहुंच मार्ग की साफ सफाई के लिये आदेशित किया गया है। पंचायत द्वारा कब तक यह साफ सफाई करायी जाती है यह देखना होगा। मगर नगर पालिका द्वारा अभी तक इस ओर कोई कदम नही उठाया गया है जबकी यह कचरे के ढेर नगर पालिका के वाहनो के द्वारा लगाये है। हम नगर की सफाई करवाते है स्वच्छता का संदेश देते है पर हमे यह भी ध्यान देना होगा कि अन्य संस्था को शहर के कचरे से मुक्त रखा जाये। जिससे वहां कोई परेशानी खड़ी न हो। नपा सीएमओ इस ओर ध्यान दे।

फौजी ने आरोपों को बताया जमीन हड़पने का षड़यंत्र

मुलताई, देशबन्धु। ग्राम टेमझिरा में माता-पिता को यूरिन पिलाकर मारपीट के आरोपों को फौजी ने झूठा बताते हुए इसे जमीन हड़पने का षड़यंत्र बताया है। ज्ञात हो कि सैनिक प्रभु के खिलाफ बुधवार को उसके माता-पिता ने थाने में मारपीट और यूरिन पिलाने का मामला दर्ज कराया था। गुरूवार सैनिक ने इन सभी आरोपों को झूठा बताया है और कहा है कि वह देश की सेवा करने वाला व्यक्ति है। उस पर इस तरह के झूठे आरोप लगेंगे तो वह फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेगा। उसका कहना है कि पूरा मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है और इस कारण उसे फंसाया जा रहा है। प्रभु ने बताया कि पिछले 16 सालों से वह सेना में है। उसने अपने पिता के नाम पर कुछ समय पहले एक प्लॉट लिया था, इसी प्लाट के कागज जब उसने अपने पिता से मांगे तो उसका बड़ा भाई और परिजन मिलकर उसके खिलाफ षड्यंत्र रच रहे है। गांव के कुछ लोग इस प्लॉट को खरीदना चाहते हैं। इसलिए वह भी उनके साथ मिल गए हैं और इस तरह के झूठे आरोप उस पर लगाए जा रहे हैं। छोटा-मोटा विवाद हुआ था,जिसे इतना बड़ा रूप दे दिया गया है। उसके पिता पैरालिसिस के मरीज है, उनके साथ भी मारपीट नहीं की गई है। विवाद को गंदा रूप देखकर प्रॉपर्टी हड़पने का प्रयास किया जा रहा है।

फुटपाथ पर सब्जी बेचने वाली महिलाओं के साथ अन्याय न हो

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में फुटपाथ पर सब्जी व अन्य सामग्री बेचने वाली महिलाओं के साथ नगर पालिका अमला व पुलिस अमला सम्मानजनक व्यवहार करे। किसी भी प्रकार की महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और अन्य बर्दाश्त नही होगा। यह बात छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने कही है।

गौरतलब है कि आज छत्रसाल चौराहो पर सिगाड़े, सीताफल व अन्य सामग्री बेच रही महिलाओं के साथ नगर पालिका के उडन् दस्ता के कर्मचारियों ने महिलाओं की दुकाने फेकने की धमकी दिए जाने की सूचना महिलाओं द्वारा विधायक को दी गई थी। विधायक श्रीमती यादव ने व्यवस्था बनाने में सहयोग करने की बात साफ करते हुए नगर पालिका व पुलिस अमले से साफ शब्दों में कहा है कि व्यवस्था बनाने के लिए सबसे पहले शहर में जगह-जगह खड़ें फल व सब्जी के हाथठेलो व चौराहो पर अतिक्रमण किए अतिक्रमणकारियों को व्यवस्थित करने कार्यवाही की जाए। छोटे-छोटे दुकानदारों को हटाकर वाहवाही न लूटी जाएं। अब इस प्रकार की कोई भी कार्यवाही बिना आम सहमति के बर्दाश्त नही होगी।

छतरपुर में 9 केंद्रों पर होगी पीएससी परीक्षा, कड़ी रहेगी सुरक्षा

छतरपुर, देशबन्धु। मप्र लोक सेवा आयोग इन्दौर द्वारा राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारम्भिक परीक्षा 17 दिसम्बर को आयोजित की जाएगी। इसके लिए छतरपुर में 9 केंद्र बनाए गए हैं। जिन पर कड़ी सुरक्षा में परीक्षा कराई जाएगी। कलेक्टर जिला मजिस्ट्रेट संदीप जीआर ने बताया कि ओएमआर पद्धति से जिले में बनाये गए 9 केंद्रों पर दो सत्रों में परीक्षा कराई जाएगी। पहला सत्र प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक एवं दूसरा सत्र दोपहर 2.15 से 4.15 तक होगा। उन्होंने बताया कि शांति एवं कानून व्यवस्था के बीच परीक्षा कराने के लिए कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यिूटी लगाई गई है। अनु विभागीय दण्डाधिकारी छतरपुर को पूरी व्यवस्था का प्रभारी बनाया गया है। एडीएम एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट नम: शिवाय अरजरिया समन्वयक के रूप में रहेंगे। बताया गया ये कि छतरपुर शहर में बनाये गए 9 केंद्रों में सेंटर कोड-1 पं. मोतीलाल नेहरू लॉ कॉलेज छतरपुर में रामनिवास चौधरी प्र. डिप्टी कलेक्टर की ड्यूटी लगाई गई।

एमसीबीयू की मेजबानी में पश्चिम क्षेत्रीय महिला कबडडी स्पर्धा का आयोजन 21 से

देश के 4 राज्यों के 816 खिलाड़ी दिखाएंगे अपने खेल का हुनर

छतरपुर, देशबन्धु। भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के वार्षिक खेल कैलेण्डर के अनुसार महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय को पश्चिम क्षेत्रीय कबडडी महिला प्रतियोगिता के आयोजन का महत्वपूर्ण दायित्व सौपा गया है।

कुलपति प्रो. शुभा तिवारी एवं कुलसचिव यशवंत सिंह पटेल के मार्गदर्शन में 21 से 25 दिसम्बर तक विश्वविद्यालय के हॉकी ग्राउंड में पश्चिम क्षेत्रीय महिला कबडडी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। इस बारे में मीडिया सेल के संयोजक डा सुमति प्रकाश जैन ने बताया कि इस वृहद खेल महोत्सव में पश्चिम क्षेत्र के चार राज्यों राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा और मध्य प्रदेश के 68 विश्वविद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं। इन चार राज्यों की 68 टीमों के 816 खिलाड़ी, 32 रेफरी, 136 कोच और मैनेजर इस प्रतियोगिता में सहभागिता करेंगे।

बैठक में बनाई आयोजन की रूपरेखा

डॉ जैन ने बताया कि इस बड़ी खेल प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कुलपति प्रो शुभा तिवारी, कुलसचिव यशवंत सिंह पटेल और खेल संचालक डा बीपी गौर के संयोजन में समितियों को जिम्मेदारी देकर आयोजन की रूपरेखा बनाई गई। कुलपति प्रो शुभा तिवारी ने प्रतियोगिता की तैयारियो की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समय सीमा में सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। महिला प्रतिभागियों की सुरक्षा को देखते हुये विशेष ध्यान रखा जाये। समितियों के संयोजकों ने अपने-अपने कार्यो के बारे में कुलपति को जानकारी दी।

क्रिकेट मैच को लेकर स्टेडियम में तैयारियां शुरू

नौगांव -छतरपुर, देशबन्धु। 16 दिसम्बर यानी कल से मेला महोत्सव क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजन शुरू हो जायेगा। नगर पालिका के द्वारा लोकल क्रिकेट टूर्नामेंट पहले स्टेडियम में व्यवस्था दुरस्त करने के लिये नपा कर्मचारियों को लगा दिया गया है हालांकि नपा की बैठक में क्रिकेट टूर्नामेंट से जुड़े हर व्यक्ति इसमें सहयोग करत है उनकी जिम्मेदारियों के बारे में अवगत करा दिया गया है। लगभग एक माह नगर में लोकल क्रिकेट टूर्नामेंट के बाद नौगांव 68 वां मेला व अन्तर्राज्जीय क्रिकेट टूर्नामेंट 2 जनवरी से शुरू हो जायेगा । लोकल क्रिकेट टूर्नामेंट छतरपुर जिले के अलावा आसपास के उत्तर प्रदेश क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों से भी क्रिकेट टूर्नामेंट खेलने के लिये टीमे नौगांव में आती है और जो टीम लोकल क्रिकेट टूर्नामेंट में विजय होती है वह अन्तर्राज्जीय क्रिकेट टूर्नामेंट में पहुंचती है लोकल क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले स्टेडियम में पिच और घास की कटाई के साथ सफाईदुरस्त की गयी।

सार समाचार

पंचायत के रिक्त पदो के निर्वाचन के लिए कार्यक्रम जारी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन 2023 उत्तरार्द्ध का निर्वाचन 5 जनवरी 2024 को संपन्न कराया जाना है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन नर्मदापुरम देवेन्द्र कुमार सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि नर्मदापुरम जिले में स्थित 7 विकासखंडो में सरपंच ग्राम पंचायत के एक रिक्त पद, पंच के रिक्त 138 पद के लिए निर्वाचन की कार्यवाही की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र 15 दिसम्बर 2023 से 22 दिसम्बर 2023 तक प्राप्त किए जायेंगे। प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा अर्थात जॉच 23 दिसम्बर को की जाएगी एवं नाम वापसी 26 दिसम्बर 2023 तक किये जा सकते हैं। उपरोक्त कार्यवाही पश्चात यदि मतदान आवश्यक होने की स्थिति निर्मित होती है तो मतदान 5 जनवरी 2024 को प्रातः 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक किया जाएगा। उक्त निर्वाचन के लिए पंच पद के लिए मतदान की कार्यवाही मतपत्र के माध्यम से तथा सरपंच पद के निर्वाचन के लिए मतदान ईव्हीएम मशीनों से संपादित होगा। पंच पद की मतगणना मतदान केन्द्र पर तथा सरपंच पद की मतगणना संबंधित विकासखंड मुख्यालय पर की जाएगी।

वन सेवा परीक्षा के सफल संचालन के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर की राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023 का आयोजन जिला मुख्यालय पर आगामी 17 दिसम्बर 2023 दिन रविवार को ओएमआर पद्धति से प्रातः 10.30 बजे से 12 बजे तक एवं दोपहर 2.15 बजे से अपरान्ह 4.15 बजे तक दो सत्र में आयोजित होगी। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने तदाशय की जानकारी देते हुए बताया है कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए नर्मदापुरम संभाग के लिए सेवानिवृत्त आईएएस शिवनारायण रूपला मोबाईल नंबर 9425147740 को संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। संभागीय प्रेक्षक श्री रूपला के सहयोग के लिए विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

जिले में 50 दिनों से अधिक समय से लंबित हैं 6 हजार 048 शिकायतें

चुनाव के कारण सीएम हेल्पलाइन की अब 9 हजार से ज्यादा शिकायतें लाइन में

अक्षय नेमा

नर्मदापुरम,देशबन्धु। अपनी समस्याओं के त्वरित निराकरण की उम्मीद लेकर आम नागरिक सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराता है। जिनमें कुछ का निराकरण समय पर हो जाता है तो कुछ शिकायतें महीनों से निराकृत होने की बाट जोहती रहती है। यही कारण है कि सीएम हेल्पलाइन में जहां शिकायतों का अंबार लगा है, वहीं उसमें कई शिकायतें 50 दिन से अधिक समय से लंबित पड़ी हैं। पोर्टल पर नर्मदापुरम जिले की लंबित शिकायतों की संख्या 9 हजार पार हो गई है। इसकी वजह चुनाव की आदर्श आचार संहिता को बताया जा रहा है। ज्ञात हो कि, पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा आम नागरिकों की शिकायतों के निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन सेवा शुरू की है, जिसमें एक फोन काल पर शिकायत दर्ज की जाती है और इसका निराकरण संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी को करना होता है। इस पोर्टल पर हर माह तीन से चार हजार शिकायतें दर्ज होती है। जिनका निराकरण एक माह के भीतर कर लिया जाता है। लेकिन इस बार 9 अक्टूबर से 4 दिसंबर तक विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगी रही, जिसमें सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा पर भी रोक लगी हुई थी। वहीं जिले का पूरा सरकारी अमला भी चुनाव कार्यों में लगा रहा, जिसके कारण अधिकांश शिकायतों का निराकरण ही नहीं हो पाया। सीएम हेल्पलाइन वेबसाइट की इन्फॉर्मेशन के अनुसार जिले में बीते नवंबर माह में करीब 4 हजार 031 शिकायतें दर्ज की गई थी। वेबसाइट के अनुसार जिले में बुधवार शाम तक में कुल 9 हजार 411 शिकायतें लंबित प्रदर्शित की जा रहीं थी। वहीं सीएम हेल्प लाइन की बेवसाइट पर जिले में 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतें लगभग 6155 बनी हुई थी। लेकिन गुरुवार को शिकायतों में कुछ कमी देखी गई। गुरुवार शाम 3 बजकर 55 मिनिट पर कुल लंबित शिकायतों में 218 शिकायतें कम होकर अब 9 हजार 193 शिकायतें लंबित प्रदर्शित हो रही हैं। वहीं सीएम हेल्प लाइन की बेवसाइट पर जिले में 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों में 107 शिकायतें कम होकर अब 6 हजार 48 शिकायतें प्रदर्शित हो रही हैं। जिले भर में लगभग 201 शिकायतें ऐसी हैं जो नॉट अटेंडेंट बनी हुई हैं। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के लिए जिले को सी ग्रेडिंग दी गई है। समय पर शिकायतों का निराकरण न किए जाने के कारण जिला लोक सेवा प्रबंधक ने बताया कि अक्टूबर माह में प्रदेश में जिले की 20 वीं रैंकिंग थी।

नवंबर माह में इस विभागों की शिकायतें सर्वाधिक

विभाग	शिकायत संख्या
ऊर्जा	534
राजस्व	433
खाद्य नागरिक आपूर्ति	175
पंचायत एवं ग्रामीण विकास	485
नगरीय विकास एवं आवास	459
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार	361
गृह विभाग	377
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी	108
सामाजिक न्याय	56
वित्त विभाग	135
महिला एवं बाल विकास	200
किसान कल्याण एवं कृषि	83
सामान्य प्रशासन	108
जल संसाधन	117
श्रम	45
परिवहन	48
सहकारिता	98
स्कूल शिक्षा	61
अनुसूचित जाति	14
सूचना प्रौद्योगिकी	34

नवम्बर माह में नगरीय प्रशासन की कहां कितनी शिकायतें आई

नपा–परिषद	शिकायतें
बाबई	40
सोहागपुर	09
नर्मदापुरम	203
सिवनी मालवा	38
इटारसी	74
बनखेड़ी	26
पिपरिया	55

नगरीय प्रशासन में लगभग 234 शिकायतें लंबित

आला अधिकारियों के तमाम आदेशों के बाद भी जिले में 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों में कमी नहीं आ रही है। बुधवार को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के अनुसार जिले की नगर पालिका व नगर परिषदों में भी 50 दिनों से अधिक समय से लगभग 234 शिकायतें लंबित बनी हुई हैं। जबकि कुल लंबित शिकायतें 482 हैं। सबसे ज्यादा लंबित शिकायतें नगर पालिका नर्मदापुरम की है। यहां पर लंबित शिकायतें 265 हैं जिनमें 50 दिनों से अधिक समय से कुल 130 शिकायतें लंबित हैं। इटारसी नगर पालिका में 117 शिकायतें लंबित तथा 60 शिकायतें 50 दिनों से अधिक समय से बनी हुई हैं। पिपरिया में 72 शिकायतें लंबित तथा 34 शिकायतें 50 दिनों से अधिक समय से बनी हुई हैं। बनखेड़ी में लंबित शिकायतें 11 तथा 50 दिन से ज्यादा की 8 शिकायतें, सिवनीमालवा में 13 शिकायतें लंबित तथा 0 शिकायतें 50 दिनों से अधिक समय से बनी हुई हैं। जिले में सिर्फ सिवनी मालवा और सोहागपुर नगर परिषदो में 50 दिनों से अधिक समय से शून्य शिकायतें हैं। वहीं जिले की नगर पालिका व नगर परिषदों में नवंबर माह में कुल 445 शिकायतें दर्ज हुई हैं।

इनका कहना है

चुनाव में लगी आचार संहिता के कारण सीएम हेल्प लाइन पर काम नहीं हुआ। अब इसकी समीक्षाएं कर, निर्देश दिए जा रहे हैं। लगभग 15 दिनों में इन शिकायतों का निराकरण कर दिया जाएगा।

= **डीके सिंह,**
एडीएम, नर्मदापुरम

किसानों की बगैर अनुमति के विद्युत विभाग निजी भूमि में कंपनी खड़ी कर रही नई लाइन

किसानों ने जताई आपत्ति, विद्युत विभाग की मनमानी के चलते मामला पहुंचा उच्च न्यायालय

सतीश अहिरवार

बनखेड़ी, देशबन्धु। विद्युत न्यू सर्विस स्टेशन बनखेड़ी से रावतपुरा स्कूल के पास कब्रिस्तान तक के एरिया में नई लाइन खड़ी की जा रही है। जिस एरिया में लाइन को खड़ी की जा रही हैं, उस एरिया के किसानों से कोई परमिशन विद्युत विभाग ने नहीं ली गई है। किसानों के बगैर परमिशन के विद्युत विभाग किसानों के निजी भूमि में लाइन को खड़ी कराई जा रही है। उक्त नई लाइन को जिन किसानों की निजी भूमि में लाइन को खड़ी की है जिनमें से कुछ किसानों ने आपत्ति ली है।

बता दें कि बनखेड़ी विद्युत न्यू सर्विस स्टेशन स्थित किसान पीतम मेहर की कृषि भूमि है। जहां पर किसान गेहूं, चना, धान, गन्ना और हरी सब्जियो की खेती करते हैं। पीतम ने बताया कि पावर हाउस पास होने से मेरे खेत में पहले से ही 7 लाइनें गई हुई है। जिनमें 2 एलटी, एक 33, और दो 11 केवी लाइन गई है और अब एक नई लाइन और मेरे खेत में खड़ी कर दी गई है। मेरे खेत में अधिक लाइनें खड़ी होने के कारण मैं खेती ठीक से नहीं कर पा रहा हूं। क्योंकि बिजली फाल्ट का डर अधिक बना रहता है और मेरे खेत में अधिक लाइनें होने के कारण मेरी जमीन की उपयोगिता भी खत्म होती जा रही है। विद्युत विभाग ने मेरी बिना अनुमति के खेत में लाइन को खड़ी करा दी है। जिसकी शिकायत विभाग जेई संदीप नामदेव और इंजीनियर को की गई लेकिन मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि नामदेव साहब ने कहा कि हमको ऊपर से आदेश है इसलिए लाइन तो आपके खेत में ही खड़ी होगी। जिससे किसान दुखी होकर उच्च न्यायालय की शरण में अपनी समस्या को लेकर पहुंचा।

विद्युत विभाग की कार्य शैली पर उठाता सवाल

बनखेड़ी न्यू सब स्टेशन के पास से निकलने वाली लाइन को खड़ी करने के पूर्व या सर्वे के दौरान भूमि स्वामी किसानों से बगैर किसी सहमति के खड़ी फसल में बिजली के खंबे लगाकर लाइन का विस्तार कर दिया। और न ही लाइन खड़ी करने के पूर्व किसी भी प्रकार की सूचना भूमि स्वामी किसान को देना उचित समझा। जबकि विद्युत विभाग द्वारा भूमि स्वामी किसान के खेतों में पहले से ही लाइनों का जाल बिछा हुआ है। इसके बाद एक और नई लाइन खड़ी की जा रही है। जिससे किसान को उक्त लाइनों से फसल एवं कृषि भूमि का रकवा कम हो रहा है। इसके साथ ही भविष्य में यदि मकान या कॉलोनी बनती है तो किसान के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं। यदि इसी लाइन को दोबारा हटाने के लिए किसान विद्युत विभाग में गुहार लगाता है तो लाइन शिफ्टिंग के चार्ज के एवज में लाखों रुपए वसूल भी किए जाएंगे। कुल मिलाकर बिजली विभाग किसान को दोनों तरफ से हानि ही पहुंचना चाह रहा है और किसान की पीड़ा को तनक भी नहीं समझ पा रहा सिर्फ और सिर्फ विभाग अपने हित का फायदा पहले देख रहा है।

इनका कहना

बीटीआई कंपनी द्वारा नया फीडर क्रिएट कर बनाया जा रहा है। किसानों द्वारा अभी तक ऐसी कोई शिकायत नहीं आई है । यदि शिकायत आती है तो हम उनकी समस्या का समाधान करने की कोशिश करेंगे। बनखेड़ी में ट्रिपल आरडीएस योजना के तहत बहुत सारे काम होना है। फीडर, सब स्टेशन, ट्रांसफार्मर आदि कार्य किया जाना है। कंपनी को विभाग द्वारा जो काम बताए गए हैं वह काम कंपनी कर रही है।

देवेंद्र प्रजापति एई, विद्युत विभाग, बनखेड़ी

– बनखेड़ी सहित जिले भर में बीटीआई कंपनी को टेंडर मिला है। पुराने फीडरो पर जो ओवरलोड हैं उसे कम कराने के लिए नई लाइन खड़ी की जा रही है। हमको जीआईएस से जो नक्शा प्राप्त हुआ है, उसी हिसाब से लाइन खड़ी की जा रही है। बनखेड़ी में करीब 7 से 8 महीना से लाइन खड़ी करने का काम कर रहे हैं।

राजेन्द्र प्रसाद यादव कर्मचारी, बीटीआई कंपनी

नल कनेक्शन में लापरवाही पर सहायक यंत्री की 2 वेतन वृद्धि रोकी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल योजनाओं के कार्य तेजी से पूर्ण कराएं। यह निर्देश कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने गुरुवार को कलेक्टोरेट में आयोजित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक में कार्यपालन यंत्री पीएचई एवं सभी सहायक यंत्रियों पीएचई को दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने घरेलू नल कनेक्शन, निर्माणाधीन नल जल योजनाओं इत्यादि कार्यों की ब्लॉकवार विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर ने घरेलू नल कनेक्शन सहित अन्य कार्यों में संतोषजनक प्रगति न होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने घरेलू नल कनेक्शन के क्रियान्वयन में लापरवाही पर सहायक यंत्री बनखेड़ी की दो वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि नल जल योजनाओं के कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ब्लॉकवार प्रतिदिन की कार्ययोजना तैयार कर कार्यों को समय पर पूर्ण किया जाएं।

सुअर का शिकार करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

पन्ना, देशबन्धु। जिले के पवई परिक्षेत्र अन्तर्गत खम्हरिया बीट में एक सुअर का शिकार आरोपियो द्वारा किया गया। जिसकी सूचना वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियो को मिलने पर गश्ती दल द्वारा सर्चिंग की गई तथा सुअर के शिकार के अवशेष बरामद किये गये जिसमे पाया गया कि सुअर का शिकार करेंट लगाकर किया गया है तथा उक्त वारदात करने वाले चार आरोपी भी गिरफ्तार किये गये है। जिसमे कपूरा आदिवासी पिता गिरधईया आदिवासी उम्र 55 वर्ष, गिरवर पिता झलकन आदिवासी उम्र 53 वर्ष, कल्लू पिता जिठुआ आदिवासी उम्र 45 वर्ष, राकेश उर्फरक्कू पिता धुन्धा आदिवसी उम्र 26 वर्ष आदि को गिरफ्तार किया गया। उक्त आरोपियो के खिलाफ वन विभाग द्वारा 782/21 दिनांक 11 दिसम्बर 2023 के तहत वन अपराध प्रकरण कायम किया गया। उक्त कार्यवाही में वन परिक्षेत्राधिकारी नीतेश पटेल, परिक्षेत्र सहायक शरद नागर, सर्वजीत दुबे वनपाल, पुष्पेन्द्र सिंह, प्रभारी बीटगार्ड अशोक बागरी, सचेन्द्र मोहन, चेतन्य अहिरवार, रामजी गर्ग, दिनेश राठौर, गजेन्द्र आरख, सरोज सिंह, पारूल साहू आदि शामिल रहे।

मारपीट के आरोपी को कारावास

पन्ना, देशबन्धु। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी ऋषिकांत द्विवेदी के बताये अनुसार घटना इस प्रकार है, कि 16 मार्च 2017 को फरियादी राजू शेख ने अभियुक्त बृजेश गुप्ता के विरूद्ध इस आशय की रिपोर्ट लेख करायी कि वह खाना लेकर अस्पताल जा रहा था तो जमीनी विवाद को लेकर रास्ते में ब्रजेश गुप्ता पिता किशोरीलाल गुप्ता उसे मां बहन की गंदी-गंदी गालियां देने लगा तो उसने गाली देने से मना किया तो अभियुक्त बृजेश ने उसके साथ लात घूसो से मारपीट किया वह चिल्लाया तो रहीश दौडा और बीच-बचाव किया। फरियादी की रिपोर्ट पर अभियुक्त के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। आहत का मेडिकल कराया गया। जिसमें डाक्टर द्वारा एक्सरे रिपोर्ट प्राप्त होने पर फैक्चर होना लेख किया गया है दौरान विवेचना घटनास्थल का नक्शा मौका बनाया गया, साक्षीगण के कथन लेखबद्ध किए गए। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय प्रीतम शाह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पन्ना, जिला पन्ना के न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी करते हुए रोहित गुप्ता, सहा. जिला लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा अभियोजन के साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से लेखबद्ध कराया, न्यायालय के समक्ष आरोपी बृजेश गुप्ता को संदेह से परे प्रमाणित किया तथा आरोपी का कृत्य गंभीरतम श्रेणी का होने के कारण कठोर से कठोरतम सजा दिये जाने का अनुरोध किया। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्को एवं न्यायिक दृष्टांतो से संतुष्ट होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी बृजेश गुप्ता पिता किशोरीलाल गुप्ता उम्र 45 वर्ष निवासी बेनीसागर मोहल्ला जिला पन्ना को धारा 325 भादसं में एक वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1 हजार रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण को लेकर किया जागरूक

दमोह देशबन्धु। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला दमोह द्वारा संचालित ममता एचआईएमसी के सहयोग से किशोर सशक्तिकरण, बाल विवाह एवं बाल हिंसा रोकथाम कार्यक्रम अंतर्गत यूएनसीआरसी स्वीकृति दिवस एवं सयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) दिवस के उपलक्ष्य में 5 दिवसीय जागरूकता रथ तृतीय दिवस ग्राम गुंजी, टिकरी पिपरिया, बनवार, बांदकपुर (हाट बाज़ार) ग्रामों में भ्रमण पर रहा। इस दौरान वैलेंटीयर्स लोकेश रोहितास एवं राजा सिंह के द्वारा शालाओं में बच्चों, महिला एवं पुरुषों को बाल अधिकारों एवं संरक्षण के मुद्दों पर जागरूक करते हुये उनके प्रश्नों के जबाब भी दिए गए तथा बच्चों से सम्बंधित किसी भी समस्या को लेकर चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 नंबर के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही शालाओं में शिक्षकों के सहयोग से बच्चों, बालक-बालिकाओं की मानव श्रृंखला बनाकर बच्चों के 4 अधिकार जिसमें जीवन जीने का अधिकार, विकास का अधिकार, सहभागिता का अधिकार एवं संरक्षण का अधिकार भी सिखाये गये। जागरूकता रथ के साथ ही इन विषयों पर पम्प्लेट्स के माध्यम से पठन हेतु पम्प्लेट्स भी वितरण किये गये। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग संजीव मिश्रा ने बताया जागरूकता रथ के माध्यम से बाल अधिकारों एवं बाल संरक्षण के मुद्दे जिसमे बाल विवाह, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति, बच्चों के विरूद्ध होने वाली लैंगिक एवं शारीरिक हिंसा, लैंगिक भेदभाव, महिला हिंसा, बच्चों के अधिकारों के सम्बन्ध में जागरूक किया जा रहा है एवं बच्चों, महिलाओं के लिए आवश्यक टोल फ्री नंबर का प्रचार प्रसार किया जा रहा। जिला समन्वयक द्वारा बताया गया की रथ के माध्यम से शालाएं, आंगनवाडी केंद्र, चौपाल/हाट बाजार, ग्राम पंचायत/सामुदायिक भवन आदि स्थानों पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

विभिन्न हितग्राहियों से चर्चा की जा रही है, जिसका उद्देश्य समुदाय में बच्चों और महिलाओं से जुड़ी सरकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करना, देखरेख और संरक्षण के जरूरतमंद बच्चों तक पहुँच बनाना, देखरेख और संरक्षण के जरूरतमंद बच्चों को चिन्हांकन करना, बंचित बच्चों की पहचान/चिन्हांकन, बाल संरक्षण और जेंडर भेदभाव के मुद्दों के समुदाय के अनुभवों जानना और सीखना है। उन्होंने बताया जागरुकता रथ के चौथे दिवस रथ पटेरा ब्लाक के ग्राम लुहारी, भटिया, देवडोंगरा, सतरिया तथा पटेरा शहर में भ्रमण कर इन विषयों पर समुदाय एवं बच्चों को जागरूक करेगा ।

मुख्यमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की और दिए निर्देश

योजनाओं का लाभ वंचित और पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें

विकसित भारत संकल्प यात्रा कल से आरंभ होगी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का सभी जिलों में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता तैयारी की जाएं, कहीं पर भी यात्रा की औपचारिकता न पूरी करें। यात्रा के सभी रूटों पर जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएं। अधिकारी-कर्मचारी व्यक्तिगत रूचि लेकर यात्रा में शामिल हों और यात्रा के उद्देश्य के अनुरूप सभी वंचित और पात्र व्यक्तियों तक यात्रा के लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें।

डॉ. यादव ने यह निर्देश आज प्रदेश में 16 दिसम्बर से आरंभ हो रही 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के संबंध में कमिश्नर-कलेक्टर्स को मंत्रालय में हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए। उन्होंने डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप जनहित और जनकल्याण के लिए आरंभ की गई यात्रा का क्रियान्वयन मोदी की गारंटी की साख और गरिमा के अनुरूप हो।

डॉ. यादव ने बच्चों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और किसानों को यात्रा से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यात्रा में स्कूली बच्चों, महिलाओं, स्व-सहायता समूहों, वरिष्ठ नागरिकों, युवा शक्ति और किसानों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ा जाएं। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' से फिट इंडिया के संदेश का भी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हों और जनसामान्य को पर्याप्त पोषण तथा एक्सरसाइज की आवश्यकता की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोबाइल वैन के जिलों में भ्रमण के लिए रूट चार्ट तैयार करें और जनप्रतिनिधियों, क्षेत्रीय सांसद, स्थानीय विधायक सहित अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा की तैयारियों के संबंध में डिण्डौरी, जबलपुर और उज्जैन के जिला कलेक्टरों से चर्चा की।

बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार, डॉ. राजेश राजौरा, मोहम्मद सुलेमान, मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई, श्रीमती दीपाली रस्तोगी, आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मेला लगाया जाएगा

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के अंतर्गत स्वास्थ्य मेला, उज्जवला योजना, किसान, पशुपालक और मछुआरों के लिए क्रेडिट कार्ड के आवेदन लेने और बैंकों से समन्वय के स्टॉल होंगे। इसके साथ ही आधार कार्ड में जानकारी अपडेशन, राजस्व विभाग के अंतर्गत नामांतरण और बंटवारा, कृषि स्व-सहायता समूहों, पेंशन योजनाओं, आदिवासी विकास से संबंधित योजनाओं के स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

योजनाओं की जानकारी लेकर गांव-गांव पहुंचेगी यात्रा

डॉ. यादव ने बताया कि यात्रा के लिए ग्रामीण क्षेत्र की 19 तथा शहरी क्षेत्र की 15 योजनाएं चिन्हित हैं, इनमें स्वस्थ भारत मिशन, खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, उचित पोषण, गरीबों के लिए आवास, वित्त पोषण सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाएं शामिल हैं। योजनाओं की जानकारी और प्रचार-प्रसार के लिए प्रत्येक जिले में ग्राम पंचायत तक मोबाइल वैन पहुँचेगी, जिसमें पम्पलेट, बुकलेट आदि वितरित करने के साथ-साथ योजनाओं के लाभ लेने के लिए आवेदन, लाभ वितरण भी सुनिश्चित किया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

उन्होंने कहा कि योजनाओं के संबंध में जागरूकता के लिए क्विज, सांस्कृतिक कार्यक्रम और ड्रोन प्रदर्शन भी होगा। लाभार्थियों की व्यक्तिगत सफलता की कहानियों और उपलब्धियों को साझा करने के लिए 'मेरी कहानी-मेरी जुबानी' जैसे कार्यक्रम होंगे। ड्रोन प्रदर्शन द्वारा प्राकृतिक खेती, स्वाईल हेल्थ कार्ड के संबंध में जानकारी भी दी जाएगी।

नई सरकार के निर्णयों पर बोले वीडी, मोदी की गारंटियों को पूरा करने की दिशा में बढ़ाया पहला कदम

तेंदूपत्ता की दरें 4 हजार रुपये कर पूरी की गारंटी

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मंत्री परिषद की अपनी पहली ही बैठक में लिए गए कई जन हितैषी निर्णय को मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में बढ़ाया गया पहला कदम बताया। श्री शर्मा ने कहा कि शपथ ग्रहण करने के तत्काल बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने 'मोदी की गारंटी' को पूरा करने का काम शुरू कर दिया है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में आदिवासी भाईयों के सशक्तिकरण के लिए तेंदूपत्ता संग्रहण की दर 3 हजार रुपये से बढ़ाकर 4 हजार रुपये किए जाने की बात कही थी। बुधवार को हुई राज्य सरकार ने तेंदूपत्ते के संग्रहण की दरें 4 हजार रुपये प्रति बोरा कर दी। उन्होंने सरकार के इस निर्णय के लिए प्रदेश के आदिवासियों को शुभकामनाएं और राज्य सरकार को बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि कल की पहली कैबिनेट में निर्णय लिया गया है कि प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर संचालित हो रहे जो हमारे लीडिंग कॉलेज हैं, उनका प्रधानमंत्री उत्कृष्ट महाविद्यालय के रूप में उन्नयन किया जाएगा। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले शासकीय और निजी विश्वविद्यालयों में छात्रों की डिग्री और अंक सूची को डिजिलॉकर में अपलोड किया जाएगा। वहीं प्रदेश के अनेक कॉलेज प्रधानमंत्री उत्कृष्ट महाविद्यालय के रूप में अपग्रेड होंगे और छात्र-छात्राओं को उनमें पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा।

श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने उच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप डीजे, ध्वनि विस्तारक यंत्रों से होने वाले ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए निर्णय लिया है तथा लाउडस्पीकर के अनियंत्रित और नियम विरुद्ध प्रयोग को प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए हैं, जिससे आमजनों की परेशानी कम होगी। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में बिना लाइसेंस के, खुले में अवैध रूप से मांस और मछली आदि का क्रय-विक्रय प्रतिबंधित लगाने से भी आमजन की परेशानियां और समस्याएं कम होंगी। श्री शर्मा ने 55 जिलों में साइबर तहसील की व्यवस्था शुरू करने के निर्णय को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इससे खसरे, नक्शे तथा नामांतरण आदि की व्यवस्था पारदर्शी होगी। साथ ही रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण हो जाने से हमारे किसान भाईयों, ग्रामीणों, आम लोगों की परेशानियां कम होंगी।

प्रदेश में नहीं होगा गुंडों, अपराधियों के लिए स्थान

श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने गुंडों, अपराधियों और डकैतों की नकेल कसकर प्रदेश को सुरक्षित बनाया। इससे आगे बढ़कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने निर्णय लिया है कि ऐसे आदतन अपराधियों द्वारा पूर्व में किए गए अपराधों में प्राप्त जमानत को दंड प्रक्रिया संहिता सीआरपीसी की धारा 437, 438, 439 के तहत संबंधित न्यायालयों में आवेदन प्रस्तुत करके जमानत निरस्त करने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से आदतन अपराधियों पर शिकंजा और कसेगा तथा वे कोई नया अपराध करने की स्थिति में नहीं होंगे।

मोदी की गारंटी घर-घर पहुंचेगी

श्री शर्मा ने कहा कि 16 दिसम्बर से विकसित भारत संकल्प यात्राएं सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकाय क्षेत्रों में भ्रमण करेंगी तथा यात्राओं में शामिल 'गारंटी रथ' के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी घर-घर पहुंचेगी। पार्टी के सांसद, विधायक समेत अन्य जनप्रतिनिधि इनमें शामिल होंगे और इन यात्राओं के माध्यम से गरीबों और जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, निशुल्क शौचालय, जनधन अकाउंट योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, पीएम सुनिधि जैसी तमाम लोक कल्याणकारी योजनाओं का ऑन स्पॉट लाभ दिलाने का काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री से मिले आमजन, विधायकों ने भी की मुलाकात

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विंध्यकोठी स्थित उनके निवास पर आज अमजनों ने मुलाकात की। श्री यादव से मिलने उज्जैन, इंदौर, भोपाल सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और जनसामान्य ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने विनम्रतापूर्वक सभी का अभिवादन स्वीकार कर धन्यवाद दिया। डॉ. यादव को बधाई का यह सिलसिला निरंतर जारी है। नवनिर्वाचित विधायकों ने भी आज मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मुलाकात की। उनसे मिलकर विधायक एवं पूर्व मंत्री अंतर सिंह आर्य, शिवपुरी से देवेन्द्र जैन, रतलाम विधायक चेतन कश्यप, धरमपुरी से कालू सिंह ठाकुर, बरघाट से कमल मर्सकोले और मेहगांव से राकेश शुक्ला ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री पद की बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी का स्वागत कर शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। भाजपा के वरिष्ठ सदस्यगण सहित जनप्रतिनिधियों, परिचितों द्वारा उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी सभी का स्वागत किया और उन्हें धन्यवाद दिया।

विधायका दल की बैठक में लिया गया सर्वसम्मत निर्णय

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे पर छोड़ा नेता प्रतिपक्ष का फैसला

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस विधायक दल ने विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष के चयन का अधिकार अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दिया है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आज हुई बैठक में विधायकों ने सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव पर नेता प्रतिपक्ष के चयन का निर्णय पार्टी अध्यक्ष को सौंपने का निर्णय लिया।

इस बैठक में पार्टी के महासचिव, मप्र प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, पर्यवेक्षक भंवर जितेन्द्र सिंह विशेष रूप से उपस्थिति थे। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, अभा कांग्रेस कमेटी के सचिव सह प्रभारी संजय कपूर, कुलदीप इंदौरा, सी.पी. मित्तल, संजय दत्त और शिव भाटिया भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद श्री सुरजेवाला और श्री भंवर ने सभी विधायकों से वन-टू-वन चर्चा की।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह राहुल भैया, पूर्व उपाध्यक्ष मप्र विधानसभा डॉ. राजेन्द्र सिंह, विधायकगण रामनिवास रावत, ओंकारसिंह मरकाम, उमंग सिंघार, बाला बच्चन, जयवर्धन सिंह, आरिफ मसूद, डॉ. विक्रांत भूरिया, सुरेश राजे, फूलसिंह बरैया, राजेन्द्र भारती, सिद्धार्थ कुशवाहा, लखन घनघौरिया, संजय उइके, अनुभा मुंजारे, अनिता पटेल, आर.के. दोगने, सुरेन्द्र सिंह हनी बघेल, डॉ. हीरालाल अलावा सहित कांग्रेस के सभी विधायक बैठक में उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने किया।

विपक्ष में रहकर सजग प्रहरी की भूमिका निभाएंगे : सुरजेवाला

बैठक के बाद श्री सुरजेवाल ने मीडिया से चर्चा करते हुये कहा कि सभी विधायक साथियों ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर नेता प्रतिपक्ष चयन का निर्णय अभा कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर छोड़ा है। पार्टी विधायकों ने पार्टी की मजबूती के लिए अपनी-अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी विपक्ष में सजग प्रहरी और पहरेदार की भूमिका निभाते हुये सदन से लेकर सड़क तक प्रदेश की जनता की आवाज उठायेगी। सुरजेवाला ने कहा कि प्रदेश की प्रगति के लिए सरकार जो कदम उठायेगी उसमें हम उनका पूरा सहयोग करेंगे, जो वादे भारतीय जनता पार्टी ने किये हैं हम सुनिश्चित करेंगे कि वह वादे भाजपा पूरा करें और जहां-जहां सरकार अपनी जिम्मेदारी में कोताही बरतेगी हम सजग प्रहरी के रूप में उसका बोध कराते हुये जनता के लिए आवाज उठायेंगे। हम सभी मिलकर विधानसभा और विधानसभा के बाहर प्रहरी और पहरेदार के तौर पर अहम भूमिका निभायेंगे।

प्रमुख दावेदार

विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, वरिष्ठ नेता डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ विधायक ओमकार सिंह मरकाम, बाला बच्चन और उमंग सिंघार नेता प्रतिपक्ष के लिए प्रमुख दावेदार हैं।

सरकार के फैसले पर कमलनाथ ने जताई आपत्ति, कहा-

विवाद के लिए बहाना ढूंढ रहे

भोपाल, देशबन्धु। खुले में मांस बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को लेकर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति दर्ज की है। साथ ही आरोप लगाया है कि भाजपा किसी न किसी तरह के विवाद का बहाना ढूंढ रही है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को शपथ ग्रहण करने के बाद बुलाई कैबिनेट बैठक में प्रदेश में खुले में एवं बिना अनुमति के मांस-मछली के विक्रय पर रोक लगाने और धार्मिक स्थलों में तय सीमा से ज्यादा आवाज में लाउड स्पीकर और डीजे वगैरह नहीं बजाने के फैसले लिए। इन निर्णयों पर कमलनाथ ने कहा कि 'ये कुछ न कुछ बहाना विवाद के लिए ढूंढ रहे हैं। कुछ भी करें..समाज में विवाद नहीं होना चाहिए ये हमारा लक्ष्य है। ये हमारी संस्कृति जुड़कर रहने की है, प्यार मोहब्बत की है।'पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने सबसे पहले शिक्षा और रोजगार पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई। विधायक उमंग सिंघार ने तो इस फैसले को आरएसएस का एजेंडा बता दिया। विधायक आरिफ मसूद ने इन फैसलों को भ्रम फैलाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि इन तमाम बातों पर सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन है और उसका पालन सब करते आ रहे हैं। श्री मसूद ने कहा कि अगर मंहगाई और बेरोजगारी और किसानों पर बात की जाती तो हम स्वागत करते।

लॉरेंस बिश्नोई-गोल्डी बराड़ गैंग का शार्पशूटर दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में रंगदारी के लिए शिरोमणि अकाली दल के पूर्व विधायक के घर पर गोलीबारी की घटना के सिलसिले में वांछित लॉरेंस बिश्नोई-गोल्डी बरार गिरोह के एक और शार्पशूटर को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है।

एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान हरियाणा के सोनीपत निवासी 23 वर्षीय सोमबीर उर्फ तोताला के रूप में हुई। पिछले सप्ताह पूर्व विधायक के आवास के सामने सात से आठ राउंड फायरिंग करने के आरोप में गिरोह के दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार किया गया था। अपराध शाखा के एक अधिकारी के अनुसार, शार्पशूटरों की पहचान हरियाणा के रहने वाले आकाश उर्फ कस्सा (23) और नितेश उर्फ सिंटी (19) के रूप में हुई। इससे पहले, बिश्नोई-बराड़ गिरोह के सदस्यों ने पंजाब के विधायक की दो दुकानों को भी जला दिया था, जिनका उस राज्य में शराब का कारोबार है और इस संबंध में पंजाब में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए थे। 3 दिसम्बर को पंजाबी बाग थाने के प्रभारी को दीप मल्होत्रा के आवास के सामने गोलीबारी की सूचना मिली। घर के मुख्य गेट के पास चार खाली कारतूस मिले। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध), रवींद्र सिंह यादव ने कहा कि इनपुट मिले थे कि सनसनीखेज गोलीबारी की घटना में शामिल सोमबीर नाम का एक और शार्पशूटर अपने साथियों से मिलने के लिए पीरागढ़ी इलाके में आएगा। उसी के मुताबिक जाल बिछाया गया और सोमबीर की पहचान की गई।

कांग्रेस नेता के बयान की भाजपा ने की आलोचना

सोनिया, राहुल बताएं क्या सज्जन के दुर्जन बयानों का समर्थन करते हैं

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा द्वारा संसद में सुरक्षा घेरा तोड़कर उत्पात मचाने वालों को लेकर दिए गए बयान की कड़ी आलोचना की है। पार्टी के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वे अपनी पार्टी के नाम से सज्जन नेता सज्जन सिंह वर्मा के दुर्जन विचारों का समर्थन करते हैं। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि आखिर क्यों कांग्रेसी सदैव जिदाही, अपराधी और अराजक मानसिकता का समर्थन करते हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता वर्मा ने कल संसद की दर्शक दीर्घा से सदन में कूदने वाले युवाओं का कथित रूप से समर्थन करते हुए आज यहां मीडिया से कहा कि संसद में जो युवक कूदे वे बेरोजगार हैं। वे अपनी जिंदगी में अंधेरा देख रहे थे। उन्होंने संसद में इस तरह के वाकए को दुर्भाग्य पूर्ण तो बताया लेकिन यह भी कहा कि लड़की नारे लगा रही थीं, मैं उसे इस बात के लिए बधाई देता हूं कि किसी ने तो बेरोजगारी के मुद्दे को उठाया। यह अन्य युवाओं के लिए सबक है। वर्मा ने युवकों की सांसदों द्वारा की गई पिटाई को भी गलत बताया उन्होंने कहा कि जब सुरक्षाकर्मी वहां थे तो सांसदों ने उन युवकों की पिटाई क्यों की।

यादव ने आयोग के सदस्य का कार्यभार संभाला

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में आज सदस्य के रूप में सीहोर के सीताराम यादव ने कार्यभार ग्रहण किया। इस मौके पर आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया भी मौजूद थे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद श्री यादव ने आयोग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का परिचय प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने आयोग की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। आयोग मुख्य रूप से सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग जातियों की सूची में जातियों को जोड़ने और विलोपित करने की अनुशंसा राज्य शासन को प्रेषित करता है।

नेहरू के कारण भारत में शामिल हुआ कश्मीर : पीडीपी

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कारण भारत का हिस्सा बना। पीडीपी ने आज जारी अपने मासिक समाचार पत्र स्पीक-अप में नेहरू का बचाव किया, जिनकी हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह ने आलोचना की थी। शाह ने पिछले हफ्ते कहा था कि जम्मू-कश्मीर को नेहरू की दो ऐतिहासिक भूलों के कारण नुकसान उठाना पड़ा-पहले युद्धविराम की घोषणा करना और फिर संयुक्त राष्ट्र में जाना। पार्टी के न्यूजलेटर में लिखा गया, जवाहरलाल नेहरू की गलतियों पर चिंतन करने के बजाय, भाजपा को खुद से यह पूछने की जरूरत है कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से उन्होंने भारतीय कश्मीर के लिए क्या किया है। लेख में कहा गया, हमारी भूमि और संसाधनों को अपने साथियों के लिए विभाजित करने और संसद में अपने 'प्रचंड' बहुमत का उपयोग करके हमारे लोगों को कमजोर करने के लिए कानून गिराने के अलावा, भाजपा ने हमारे लिए क्या किया है। शायद उन्हें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को खोने का अफसोस है क्योंकि वे इसे युद्ध की लूट की तरह नहीं मान सकते।

भारी बर्फबारी और खराब मौसम के कारण फंस गए थे पर्यटक

सेना ने सिक्किम में फंसे 12 सौ पर्यटकों को बचाया

गंगटोक, एजेंसी। सेना ने पूर्वी सिक्किम में ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी और खराब मौसम के कारण फंसे 1,217 पर्यटकों को बचाया है।

रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि बुजुर्ग, महिलाओं और बच्चों सहित पर्यटक बुधवार से पूर्वी सिक्किम के ऊंचाई वाले इलाकों में फंसे हुए थे। त्रिशक्ति कोर के जवान बचाव अभियान शुरू करने के लिए तत्काल कार्रवाई में जुट गए। बचाव अभियान रात भर जारी रहा। बचाए गए पर्यटकों को सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाया गया और आश्रय, गर्म कपड़े, चिकित्सा सहायता तथा गर्म भोजन दिया गया। फंसे हुए पर्यटकों को ठहराने के लिए सैनिकों ने अपनी बैरकें खाली कर दी। नागरिक प्रशासन के अधिकारी गंगटोक वापस जाने में समन्वय स्थापित करने के लिए गंगटोक से 17 मील प्वाइंट की ओर जा रहे हैं। सैनिकों की त्वरित प्रतिक्रिया से फंसे हुए पर्यटकों को राहत और आराम मिला, जिन्होंने भारतीय सेना द्वारा प्रदान की गई तत्काल राहत के लिए गहरा आभार व्यक्त किया।

लद्दाखियों को फिलहाल विधायिका चाहिए जब तक राज्य का दर्जा नहीं मिला जाता

लोकसभा की दो संसदीय सीटों पर दावा ठोकेंगे लद्दाखी नेता

• सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, देशबन्धु। लद्दाख में उपजे आक्रोश को थामने की खातिर केंद्रीय गृह मंत्रलय लद्दाखी नेताओं से दूसरे दौर की बातचीत से पहले उनकी मांगों का विस्तृत विवरण तो चाहता है पर उसने यह स्पष्ट संकेत दे दिए हैं किए लद्दाखियों की राज्य का दर्जा प्राप्त करने की मांग पर विचार नहीं किया जाएगा। ऐसे में लद्दाखी नेता फिलहाल यूटी के भीतर ही विधायिका की मांग पर सहमत होते दिख रहे हैं पर स्टेटहुड पाने को वे लंबे संघर्ष की तैयारी करने लगे हैं।

दरअसल केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) को संभावित विकल्पों सहित उनकी मांगों को रेखांकित करते हुए एक व्यापक दस्तावेज बनाने का निर्देश दिया है। हालांकि गृह मंत्रालय का दल लद्दाख की यात्रा के दौरान घोषणाएं कर सकता है, लेकिन राज्य के दर्जे की संभावना से इनकार कर दिया गया है। लद्दाख के लिए दो संसदीय सीटों की मांग के संबंध में, यह संकेत दिया गया है कि तब तक निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर रोक के कारण इस पर 2026 के बाद ही विचार किया जा सकता है। दो संसदीय सीटों की मांग के संबंध में सूत्रों ने बताया कि यह 2026 के बाद ही किया जा सकता है क्योंकि तब तक निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन रुका हुआ है। बताया जाता है कि यह दस्तावेज संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र के बाद नई दिल्ली में होने वाली बैठक के दौरान प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है। गृह मंत्रालय ने अपने आश्वासन में कहा कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल, गृह सचिव एके भल्ला और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, उक्त बैठक के बाद लद्दाख का दौरा करेगा। मिलने वाले समाचार कहते हैं कि प्रमुख समावेशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए चल रही चर्चाओं के साथ, एलएबी और केडीए दस्तावेज का मसौदा तैयार करने में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। यह सच है कि चार दिसम्बर की बैठक के लिए एमएचए की घोषणा लद्दाखियों की राज्य का दर्जा पाने की मांग को विशेष रूप से संबोधित नहीं करता था। इन परिस्थितियों में लद्दाखी नेताओं का कहना था कि ऐसे परिदृश्य में, लद्दाख के कुछ प्रतिनिधियों का विचार है कि राज्य का दर्जा मांगने के बजाय, जिस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय चर्चा करने के लिए भी तैयार नहीं है, उन्हें केंद्र शासित प्रदेश के भीतर विधानमंडल की मांग करनी चाहिए, लेकिन कुछ लोगों की तरह राज्य के दर्जे के लिए संघर्ष जारी रखना चाहिए। इसके विपरीत, लद्दाख के लिए छठी अनुसूची की मांग को लेकर एलएबी और केडीए अपने रुख पर कायम हैं। विकल्प तलाशने के गृह मंत्रालय के सुझाव के बावजूद, वे भूमि, संस्कृति और पहचान से संबंधित लद्दाखियों के अधिकारों की रक्षा के साधन के रूप में छठी अनुसूची के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।